संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 214
पृष्ठ 8
शुक्रवार
25 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आईस क्रीम को स्टोर करते हुए...

विचार- सख्त कार्रवाई हो रामदेव के खिलाफ

खेल- 'आईएसआईएस कश्मीर' ने भारतीय...

पीएम मोदी का दुनिया को संदेश, बोले-

आतंकियों को धरती की छोर तक नहीं छोड़ेंगे

पटना/मधुबनी, एजेंसी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार से विश्व के नाम संदेश दिया। पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद वह पहली बार किसी जनसभा में थे। जनसभा के दौरान विकास की बातें हुईं, लेकिन इसकी शुरुआत पहलगाम हमले में मृत लोगों को श्रद्धांजलि देने से हुई और अंत आतंकवाद के खिलाफ भारत की ताकतवर घोषणा के साथ। प्रधानमंत्री मोदी ने पहले हिंदी में आतंकवाद के खिलाफ अपनी योजना बताई और फिर दुनिया को संदेश देने के लिए अंग्रेजी में भी बोले। पंचायती राज दिवस पर बिहार के मधुबनी में विकास की बात करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सूखते गले तो तर करते हुए पानी पीया और फिर बोले– ष्साथियो, 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है, उससे पूरा देश व्यथित है। कोटि–कोटि देशवासी दुखी हैं। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन परिवारजनों का अभी इलाज चल रहा है, वह जल्द स्वस्थ हों– इसके लिए भी सरकार हर प्रयास कर रही है। साथियो, इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया। किसी ने अपना भाई खोया। किसी ने अपना जीवनसाथी खोया। उनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी था, कोई ओड़िया था, कोई गुजराती था और कोई यहां बिहार का लाल था। आज उन सभी की मृत्यु पर कारगिल से कन्याकुमारी तक हमारा दुख एक जैसा है। हमारा आक्रोश एक जैसा है। यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आस्था पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकियों को और इसकी साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। सजा मिलाकर रहेगी। अब आतंकियों की बचीखुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंकवाद का कमर तोड़ कर रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया को बताने के लिए अंग्रेजी क्या कहा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की इस सभा का उपयोग पूरी दुनिया को संदेश देने के लिए भी किया। उन्होंने अंग्रेजी में भी आतंकियों को चेतावनी दी– "Today from the soil of Bihar] I say to the whole world that India will identify] track and punish every terrorist and their backers- We will persue to the end of the earth- India spirit will never be broken by terrorism- Terrorism will not go unpunished- Every effort will be made to ensure that justice is done- The entire nation is firm- Everyone who believe in the humanity is with us- I thank the people of various country and their leaders] who stood with us at this time-" इसका हिंदी अर्थ यह है– ''आज बिहार की धरती से, मैं पूरे विश्व से कहता हूं कि भारत हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा, उनका पता लगाकर उन्हें दंडित करेगा। हम धरती के अंत तक उनका पीछा करेंगे। आतंकवाद से भारत की हिम्मत नहीं टूटने वाली है। आतंकवाद को बख्शा नहीं जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा कि न्याय हो। पूरा राष्ट्र दृढ़ है। हर वह व्यक्ति जो मानवता में विश्वास रखता है, हमारे साथ है। मैं विभिन्न देशों के लोगों और उनके नेताओं को धन्यवाद देता हूँ, जो इस समय हमारे साथ खड़े रहे।''

आतंकवाद अपनी आखिरी सांस ले रहा

पीएम मोदी के नेतृत्व पर विश्वास करे देश, शहीद शुभम के घर पर बिफरे योगी

कानपुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूरे भारत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास करना चाहिए और पहलगाम में पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकवादियों को सजा जरूर मिलेगी। पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए कानपुर के युवक शुभम द्विवेदी के परिजन से मुलाकात करने के बाद मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम हमला एक क्रूर और कायराना हरकत है, तथा कोई भी सभ्य समाज इसे स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर पूरे भारत को विश्वास करना चाहिए। सरकार की आतंकवाद के प्रति नीति 'कतई बर्दाश्त नहीं करने की है और वह प्रभावी ढंग से आतंकवाद को नेस्तनाबूद करेगी। आतंकवाद अपनी आखिरी सांस ले रहा है। आदित्यनाथ ने कहा, आपने देखा होगा, कल इसके ताबूत पर अंतिम

कील ठोंकने की शुरुआत हो चुकी है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सीसीएस की बैठक में जो निर्णय लिए गए हैं, गृहमंत्री ने स्वयं उन क्षेत्रों का दौरा किया और आगे की रणनीति के साथ ही आतंकवाद और उग्रवाद के खात्मे की नई पहल के लिए अब पूरा भारत आगे बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, डबल इंजन की भाजपा सरकार आतंकवादियों पर दायर मुकदमे वापस नहीं लेती और ना ही वहां अपना वोट बैंक देखती है। सरकार पूरी सख्ती से आतंकवादियों को कुचलेगी और हर व्यक्ति इसे देखेगा। इसके पूर्व, आदित्यनाथ ने पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए कानपुर निवासी शुभम द्विवेदी के परिजन से मुलाकात की। उन्होंने कहा, मैंने अभी शुभम द्विवेदी के परिवार के सभी सदस्यों से मुलाकात की है। उनके पूज्य पिता से मेरी कल भी बात हुई थी और रात्रि में ही उनका पार्थिव शरीर यहां आया। परिवार दुखी है। शुभम द्विवेदी परिवार के एकमात्र पुत्र थे और दो महीने पहले ही उनकी शादी हुई थी। मैं दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करता हूं। परिवार के लोगों के प्रति हमारी पूरी संवेदना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकवादियों ने मां–बहनों के साथ जिस तरह से बर्बरता करते हुए उनके सामने ही उनके सिंदूर उजाड़ दिए, इसी प्रकार से आतंकवादियों और उनके आकाओं को भी सजा जरूर मिलेगी।

पहलगाम की चीख

मिस्टर छप्पन इंच जरा सा सीना चौड़ा और करो,
बात जो कहने वाला हूं उस पर थोड़ा सा गौर करो,
केवल गाल बजाने से दुश्मन का नाश नहीं होता,
महज नाम का 'पाक' हो जो उस पर विश्वास नहीं होता,
जन–धन खाते की पूंजी से ब्याज भी कितना पाओगे,
एक बार की जमा से क्या जीवन भर मौज उड़ाओगे?
मच्छर को मच्छर समझोगे काट काट उड़ जाएगा,
थप्पड़ अगर उसे मारोगे गाल पर ही पड़ जाएगा,
बालाकोट, उड़ी की पूंजी अब समझो बेकार हुई,
शतीन सौ सत्तर,श शैंतिस एश की कुंद बहुत ही धार हुई,
आए दिन आतंकी सीमा पार यहां तक आते हैं,
अनगिन वीर जवानों की बलि अक्सर ले कर जाते हैं,
अबकी तो छब्बीस हमारे मासूमों को मार गये,
धर्म पूछ कर इस्लामी वे चेहरा और उघाड़ गये,
इजरायल ने भारतीय चाणक्य–नीति अपनाया है,
और हमास के पूर्ण नाश का बीड़ा कठिन उठाया है,
कायर कहने से कायर की हिम्मत बढ़ती जाती है,
ढील पतंग को दो जितनी उतनी ही चढ़ती जाती है,
पहलगाम में वक्त आ गया ढील नहीं अब पेंच कसो,
आकाओं के मन में बनकर एक भयानक खौफ बसो,
तनों और पत्तों को छोड़ो जड़ पर कठिन प्रहार करो,
नापाक श्पाकश के मंसूबों का अंतिम अब उपचार करो,
अगर अभी भी चूको तो इतना अवश्य ही कर लेना,
छप्पन इंच के सीने को छत्तीस इंच का लिख लेना।

शरत् चन्द्र श्रीवास्तव 'सरल'
914/351/231 डी सुल्तान पुर भावा, प्रयागराज।

एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम गिरफ्तार, पहलगाम हमले पर की थी अपमानजनक टिप्पणी

असम, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले पर भारत विरोधी टिप्पणी करने वाले असम के एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। असम डीजीपी हरमीत सिंह ने कहा कि असम पुलिस ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम को गिरफ्तार किया है। पुलिस उन्हें नागांव पुलिस स्टेशन ले गई है। पुलिस ने बताया कि ढींग विधायक अमीनुल इस्लाम द्वारा सार्वजनिक रूप से दिए गए भ्रामक और भड़काऊ बयान के आधार पर, जो वायरल हो गया था और जिससे प्रतिकूल स्थिति पैदा होने की संभावना थी, नागांव पुलिस ने मामला दर्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट किया, ष्असम उन सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा जो पहलगाम में हुए भयावह, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बचाव करने की हिम्मत करते हैं। यह स्पष्ट रूप से जान लेंरू जो लोग निर्दोष नागरिकों की क्रूर हत्या को उचित ठहराने, सामान्य बनाने या कमजोर करने का प्रयास करते हैं, वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रयोग नहीं कर रहे हैं – वे भारत की आत्मा के खिलाफ खड़े हैं। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया कि असम में रह रहे कुछ लोग पाकिस्तान का अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कोई भी क्यों न हो। अमीनुल इस्लाम ने पहलगाम हमला को राजनीतिक नाटक बताते हुए कहा था कि लोगों की हत्या धर्म के आधार पर नहीं की गई। 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर में लगभग 26 पर्यटकों की हत्या करने वाले हमले को "भाजपा द्वारा रची गई" साजिश करार देते हुए भड़काऊ टिप्पणी ने सांप्रदायिक तनाव भड़काने और प्रतिकूल स्थिति पैदा करने की क्षमता के कारण एक्स पर व्यापक आक्रोश पैदा किया। नतीजतन, नागांव पुलिस स्टेशन ने इस्लाम के खिलाफ बीएनएस की धारा 152, 196, 197(1), 113(3), 352 और 353 के तहत उकसाने और राष्ट्र–विरोधी टिप्पणियों के लिए मामला संख्या 347/25 दर्ज किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

उधमपुर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सेना का जवान शहीद

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के उधमपुर जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया। सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उधमपुर के डुडू–बसंतगढ़ इलाके में लट्टी के वन क्षेत्र में आतंकवादियों की गतिविधि के बारे में विशेष सूचना मिलने पर जब तलाशी अभियान शुरू किया गया, तब सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच संक्षिप्त संपर्क स्थापित हुआ। आतंकवादियों ने तलाशी दल पर गोलीबारी की, जिसका जवाब दिया गया। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर, गुरुवार को उधमपुर के बसंतगढ़ में पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। सेना के एक सूत्र ने बताया, "संपर्क स्थापित किया गया और भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। हमारे एक बहादुर जवान को शुरुआती मुठभेड़ में गंभीर चोटें आईं और बाद में बेहतरीन चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उसकी मौत हो गई।"

पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन

नयी दिल्ली, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए भीषण आतंकवादी हमले के विरोध में गुरुवार को 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाते हुए सैकड़ों लोग यहां चाणक्यपुरी स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पहलगाम हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता साबित हुई है। गौरतलब है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों ने दो दिन पहले पहलगाम के खूबसूरत बैसरन मैदान में 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर

दी थी। आतंकवाद विरोधी कार्रवाई मंच की ओर से आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई स्थानीय नेता शामिल हुए। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी विरोध प्रदर्शन में शामिल थे। इस दौरान पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाते हुए और 'पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है' लिखी तख्तियां थामे प्रदर्शनकारियों ने मोदी सरकार से पाकिस्तान के साथ सभी संबंध तोड़ने और पाकिस्तान को 'आतंकवाद प्रायोजित देश' घोषित करने की प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया। हाथों में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज थामे प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान पर भारत में आतंकवादी गतिविधियों को प्रायोजित करने का आरोप भी लगाया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा,"हम यहां अपना विरोध दर्ज कराने आए हैं, जो कुछ (पहलगाम में) हुआ वह सही नहीं था। यह पूरी तरह से मानवता के खिलाफ था, और इसलिए हम यहां हैं।"

निजी स्कूल फीस वृद्धि किए जाने से अधिवक्ता गण सड़कों पर उतारे, चलाया हस्ताक्षर अभियान

निजी स्कूलों में फीस वृद्धि किए जाने से सड़कों पर उतरे अधिवक्ता हाई कोर्ट स्थित अंबेडकर चौराहे पर अभिभावक एकता समिति उत्तर के तत्वाधान में श्री उदय शंकर तिवारी पूर्व उपाध्यक्ष हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के नेतृत्व में निजी स्कूलों में फीस वृद्धि किए जाने के विरोध मे हस्ताक्षर अभियान चलाया अधिवक्ताओं ने बढ़–चला कि हिस्सा लिया

इस अवसर में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विजय गुप्ता ने कहा कि 538 अधिवक्ताओं ने हस्ताक्षर किया सशिक्षा सभी का मौलिक अधिकार शिक्षा सस्ती होनी चाहिए इससे देश का विकास की नदिया बहेगी बेरोजगारी दूर होगी अपराध घटेगा केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार शिक्षा माफियाओं पर अंकुश लगाएं स

गरीब हो यह रईस शिक्षा हो एक समान अधिकार वर्तमान समय प्राइवेट कान्वेन्ट स्कूलों में बेतहाशा वृद्धि सेअभिभावक परेशान हैं। स्कूलों में 15/से 25/प्रतिशत फीस वृद्धि उसके बाद लगभग हर साल पाठ्य पुस्तकों में बदलाव हो रहा हैं।

स्कूलों को भी व्यवसायिक केन्द्र बनाकर या किसी दुकान से तालमेल करके कापी किताब जूते मोजे आदि सामग्री मनमानी कीमत पर खरीदने हेतु अभिभावकों को विवश किया जा रहा है, ऐसी स्थिति में आम आदमी अपने बच्चों को शिक्षित कर पाने में असहज दिखाई दे रहा है।

कार्यक्रम का संचालन प्रमिल केसरवानी प्रदेश महामंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश शासन व जिला प्रशासन से कान्वेन्ट

स्कूलों में हो रही बेतहाशा फीस वृद्धि पर तत्काल पर रोक लगाई जाय

शिक्षा के मन्दिर स्कूलों का व्यवसायीकरण रोककर अभिभावकों को कहीं से भी कापी किताब,जूते मोजे आदि खरीदने हेतु स्वतन्त्र किया जायस

पाठ्यक्रमों में बदलाव में कम से कम 10 वर्ष का अन्तर निर्धारित किया जाय। ज्ञापन सौपा वाले सर्वश्री मनीष गुप्ता विकास अग्रहरि अभिलाष केसरवानी अतुल खन्ना कुलदीप चौरसिया बिल्लू डी पी सिंह एडवोकेट संजीव वाजपेयी, प्रज्ञाम सिंह, विजय चंद्र यादव, पंकज कुमार पाण्डेय, प्रतीक सिंह छोटे लाल बिंद, कमल शुक्ल संतोष सिंह, महेंद्र पांडेय ,रजनीश पांडेय विनय अग्रहरि अधिवक्ता गण मौजूद रहे।

पहलगाम हमले के आतंकियों का फोटो जारी, जानकारी देने पर 20 लाख इनाम का ऐलान

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में शामिल आतंकवादियों के स्केच और नामों का खुलासा किया। आतंकियों की पहचान आदिल हुसैन थोकर (अनंतनाग निवासी), हाशिम मूसा उर्फ घ्घ्सुलेमान और अली भाई उर्फ घ्घ्तल्हा भाई के रूप में हुई है। पुलिस ने फरार आतंकियों का पता बताने पर 20 लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया है। मंगलवार को कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें 26 लोग मारे गए, जिनमें ज़्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला है। बुधवार को, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम भी जांच में शामिल होने और मामले में जम्मू–कश्मीर पुलिस की सहायता करने के लिए हमला स्थल पर पहुंची। एनआईए की टीम ने उप महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में बैसरन का दौरा किया, जिसके एक दिन पहले आतंकवादियों ने कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम शहर से लगभग पांच किलोमीटर दूर स्थित एक सुरम्य घास के मैदान में पर्यटकों के एक समूह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल सभी आतंकवादियों और इसकी साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा देने का संकल्प जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अब आतंकियों की बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है।

अक्षय तृतीया की तैयारियों को दिया जा रहा अंमित रूप, डीएम ने की समीक्षा

-बांके बिहारी के चरण दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं को नहीं हो परेशानी: डीएम

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने अक्षय तृतीया पर्व के संबंध में विभिन्न विभागों के अधिकारी के साथ बैठक करके रणनीति तैयार की। इसमें जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी त्यौहार अक्षय तृतीय पर सभी संबंधित विभाग अपनी तैयारी समय से पूर्ण कर लें। इसके साथ ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी आपसी सामंजस्य कायम करते हुए पूरी सतर्कता बरततें। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह जलापूर्ति के साथ ही सफाई व्यवस्था को

दुरुस्त रखें। गर्मी के दृष्टिगत त्यौहार के एक दिन पूर्व से ही पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करें। प्रमुख स्थानों पर टैंकरों की व्यवस्था करें। किसी भी स्थान पर पेयजल की कोई असुविधा नहीं हो। नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि परिक्रमा मार्ग पर समय से सैनिटाइजेशन व छिड़काव आदि किया जाये। इसके साथ ही वृंदावन में नालियों को ढ़कने व सफाई की व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त किये जाने के भी निर्देश दिए गए। नगर के सभी क्षेत्रों में नालियों की सफाई करायें तथा जलभराव की समस्या का निस्तारण सुनिश्चित करें। खराब स्ट्रीट लाइटों और टूटी सड़कों आदि को भी समय से दुरुस्त कराएं। बैठक के पश्चात् जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने थाना वृन्दावन में श्री बांके बिहारी जी मंदिर तथा आस पास के क्षेत्र का पैदल गश्त कर निरीक्षण किया। निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडेय, अपर पुलिस अधीक्षक नगर डा. अरविंद कुमार, क्षेत्राधिकारी सदर सन्दीप कुमार सिंह आदि मौजूद रहे। आगामी त्यौहार अक्षय तृतीया के दृष्टिगत अधिकारी व पुलिसकर्मियों के साथ थाना वृन्दावन क्षेत्र में श्री बांके बिहारी जी मंदिर परिसर व आस–पास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, स्वास्थ्य व्यवस्था आदि को सुदृढ़ करने हेतु पैदल गश्त और निरीक्षण किया गया। श्रद्धालुओं, पर्यटकों, जनपद वासियों आदि को किसी प्रकार की अव्यवस्था, असुविधा का सामना न करना पड़े, इस सम्बन्ध में सर्वसम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्था बनाए रखने के दिशा निर्देश दिए।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में इंट्रा मूट कोर्ट प्रतियोगिता का सफल आयोजन, अनिका जैन की टीम विजेता घोषित

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के विधि संकाय में जी एन वर्मा इंट्रा मूट कोर्ट प्रतियोगिता व विधिक जागरूकता कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन लीगल ऐड एंड सर्विस क्लिनिक द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के अपर महाधिवक्ता श्री अशोक मेहता जी मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम के शुरुआत में मुख्य अतिथि एवं समस्त अध्यापक गण ने माता सरस्वती और डॉ० अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित किए। जिसके बाद विधि विभाग के संयोजक प्रो० शिव शंकर सिंह ने उनका अभिवादन किया साथ ही प्रो० अजय प्रताप सिंह जी ने पुष्प देकर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम आदरणीय मेहता जी ने छात्रों को

प्रोत्साहित करते हुए फील्ड में उतर कर रिसर्च करने के लिए प्रेरित किया उन्होंने ने संविधान, योग, ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के साथ साथ कुंभ में अध्यात्म जैसे विषय पर अपना मत व्यक्त किया। उन्होंने विधि व अध्यात्म पर चर्चा किया और अंत में तीन प्रश्न भी रखे–

1. क्या शिक्षा एक उद्योग है?
2. क्या जनता एक वस्तु है?
3. क्या वाद (सूट) एक वस्तु है?

इसके बाद उन्होंने विधि स्नातक अंतिम वर्ष के छात्रों हेतु मूट कोर्ट प्रतियोगिता के अंतिम राउंड की शुरुआत की जिसका विषय के .एम . नानावटी बनाम महाराष्ट्र राज्य था। जिसके जज के रूप प्रो० शिव शंकर सिंह,डॉ पूर्णेंदु मिश्रा एवं डॉ० आर डी किशोर पीठासीन रहे। इस प्रतियोगिता का प्रथम चरण 8 अप्रैल तथा द्वितीय चरण 11 अप्रैल को आयोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता के प्रथम तथा द्वितीय चरण को डॉ गौरव पटेल तथा डॉ हरिदर्शन त्रिपाठी ने संपादित किया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की कुल 20 टीमों ने प्रतिभा किया। अंतिम दौर में दो टीमे पहुंचीं, एक कृष्ण प्रताप यादव की तथा दूसरी अनिका जैन की। अनिका जैन की टीम विजेता रही। विधि भारतीया को बेस्ट रिसर्चर का अवार्ड दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ आर डी किशोर, संयोजक लीगल ऐड क्लिनिक द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में विधि विभाग के हर्षवर्धन,कुलदीप, आनंद, अरुण, विजयकांत राव, विशाल, अजीत कुमार भारतीय, इजहार अहमद, सौरभ राज और नीरज कुमार यादव आदि सैकड़ों छात्रो सहित सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे।

इविवि के तीन पुरनियों को यूपीएससी में मिली सफलता

प्रयागराज। आईएएस–पीसीएस की फैक्ट्री कहे जाने वाले इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) का दशकों बाद पुराना गौरव लौटता दिख रहा है। इसकी बानगी संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी–2024) के रिजल्ट में देखने को मिली। इविवि के तीन पुरा छात्र–छात्राओं ने यूपीएससी में सफलता हासिल की है। देशभर में ऑल इंडिया रैंक एक पाने वाली टॉपर शक्ति दुबे इलाहाबाद विश्वविद्यालय की पुरा छात्रा हैं। अनुपम यादव ने 2012 में बीए में इविवि में दाखिला, इसके बाद 2015 में स्नातक की डिग्री हासिल की। इस बीच वह एएनझा हॉस्टल में रहते थे।

मुंडेरा मंडी में जब पांच हजार को लाइसेंस दिया तो अवैध कैसे

नवीन मंडी परिषद यानी मुंडेरा मंडी। यहां जिले भर के किसान अपनी सब्जी लाकर बेचते हैं। थोक मूल्य पर यहां से फल और सब्जी खरीदकर शहर के दुकानदार ले जाते हैं। मंडी परिषद में कुल दुकानों की संख्या तो 428 है, लेकिन पिछले कुछ सालों में सबको रोजगार नीति के तहत लगभग पांच हजार लोगों को लाइसेंस जारी कर दिया गया है। अधिक लाइसेंस पाकर जब लोगों ने अपनी दुकानों को लगाया तो मंडी परिषद उन्हें अवैध कहकर अतिक्रमण हटाने की बात कह रहा है। यहां व्यापारियों की सबसे बड़ी समस्या यही है। जब उन्हें दुकान का लाइसेंस मिला है तो वो अवैध कैसे हैं। जिला मुख्यालय से लगभग 13 किलोमीटर की दूरी पर बना मंडी परिषद मुख्यालय जिले में सब्जी और फलों की आपूर्ति का सबसे बड़ा केंद्र है। स्थापना के बाद से यहां पर लगातार आढ़तियों की संख्या बढ़ी और थोक मूल्य पर सब्जी की आपूर्ति कराई जाती है। यहां पर दुकान लगाने वाले व्यापारियों को आज प्रशासनिक लापरवाही से कई समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। पहली समस्या तो आए दिन अतिक्रमण की धमकी मिलना है। व्यापारियों का कहना है कि मंडी परिषद को यहां पर निर्मित दुकानों के बारे में जानकारी है। इसके बाद भी कमाई के चक्कर में मंडी परिषद ने पांच हजार से अधिक लाइसेंस जारी कर दिए। अब अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चलाने की कार्रवाई की बात कर रहा है। समस्या यह है कि जब परिषद ने खुद ही लाइसेंस जारी किया है तो वो इसे अवैध कैसे बता रहा है। आखिर व्यापारी जाएंगे कहां। वहीं एक समस्या मतगणना के दौरान भी आती है।

मतगणना के दौरान पूरी मंडी न करें बंद

व्यापारियों का कहना है कि प्रत्येक चुनाव के बाद मतगणना के लिए ईवीएम यहीं मंडी परिषद में रखी जाती है। इस दौरान मंडी परिषद की 50 दुकानों को प्रशासन ले लेता है। इसे सील कर देता है। इसके बाद भी पूरी मंडी को सील कर दिया जाता है। व्यापारियों को बाहर भेज दिया जाता है। इस दौरान एक से दो हफ्ते तक उनके सामान को देखने वाला कोई नहीं होता है। अधिकांश समय मतगणना गर्मी के मौसम में ही होती है। ऐसे में सब्जियों व फलों को बचा पाना संभव नहीं होता है।

अवैध मंडियों पर सीधे उतरते हैं ट्रक

प्रशासन की ओर से मुंडेरा स्थित नवीन सब्जी मंडी परिषद है। इसके अलावा उप मंडियों की बात की जाए तो फूलपुर, जसरा और मेजा में हैं। बड़ी मंडियों के नाम पर शहर के विभिन्न इलाकों में संचालित मंडियों ने भी व्यापारियों को परेशान किया है। उनका कहना है कि मंडी इंस्पेक्टर इन पर कार्रवाई नहीं करते हैं और यहां पर सीधे बड़े ट्रक उतरते हैं। जबकि यह ठीक नहीं है। नियम के अनुसार सारे ट्रक मुंडेरा मंडी में ही उतरने चाहिए। व्यापारियों का कहना है कि इसके बारे में कई बार लिखित शिकायत भी की गई, लेकिन कोई इस पर कार्रवाई नहीं करता है।

सात सब्जियों पर मंडी शुल्क, बाकी की बिक्री क्यों

मंडी परिषद पहले सब्जियों पर ढाई प्रतिशत का शुल्क लगाता था। बाद में प्रदेश में सरकार बदली तो सात सब्जियों पर 1.5 फीसदी का शुल्क लगाया जाता है। इसमें आलू, प्याज, अदरक, मिर्च, नींबू, लहसुन और टमाटर शामिल है। जबकि मंडी परिषद परिसर से धड़ल्ले से फल भी बिकते हैं। एक मांग यह भी है कि इन्हें हटाया जाए। जब इनकी पक्की दुकानें खाली हो जाएंगी तो बड़े आराम से दूसरे दुकानदार यहां पर आ जाएंगे। ऐसे में मंडी परिषद जिसे अतिक्रमण मान रहा है वो भी खाली हो जाएगा। यहां व्यापारियों में इसे लेकर आक्रोश है। उनका कहना है कि लगातार निरीक्षण किया जाना चाहिए। जिससे व्यापारियों को सही सामान मिले और उसे सही तरीके से बेचा जा सके। वहीं राजस्व की प्राप्ति भी ठीक से होगी। ऐसा न करने से तमाम परेशानियां होती हैं।

05 हजार लाइसेंस किए गए हैं जारी

250 रुपये है वार्षिक लाइसेंस शुल्क

यहां पर बड़ी समस्या लाइसेंस धारकों को चेतावनी देने की है। यहां जो भी दुकानदार हैं, उन्होंने लाइसेंस शुल्क अदा किया है। ऐसे में इन लोगों के लिए व्यवस्था की जानी चाहिए।

–मनोज कुमार यादव, उपाध्यक्ष

यहां पर कोई कब्जा नहीं किया गया है। सभी यहां के वैध दुकानदार हैं। मंडी परिषद को लाइसेंस जारी करने से पहले यह देखना चाहिए कि उनके पास जगह कितनी है।

यहां की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना चाहिए। मंडी परिषद में हर बार मतगणना के दौरान दुकानों को हटा दिया जाता है। कुछ क्षेत्र सीमित कर हमें व्यापार करने दें।

जब दुकानों को हटाया जाता है तो हमारी सभी सब्जियां खराब हो जाती हैं। इससे बहुत नुकसान होता है। इस समस्या पर जिला प्रशासन को ध्यान देना चाहिए।

मंडी परिषद में नियमित साफ–सफाई के साथ ही दवा का छिड़काव कराना चाहिए। साथ ही व्यापारियों की समस्या का ध्यान देकर उसका समधान यहां के अधिकारी करें।

दुकानों के लिए पर्याप्त प्रबंधन करना चाहिए। यहां पर किसी भी व्यापारी ने अतिक्रमण नहीं किया है। इसके बाद भी परिषद की ओर से कहा जाता है कि यहां कार्रवाई की जाएगी।

मंडी परिषद के व्यापारियों की समस्या बाहर की मंडियां हैं। यहां पर खुल्दाबाद–बक्सी बांध पर बड़े ट्रक उतरते हैं। जबकि नियमानुसार यह गलत है। इस पर लगाम लगानी चाहिए।

मंडी परिषद में जो व्यापारी शुल्क देते हैं, उनके उत्पादों के अलावा दूसरे सामान क्यों बेचे जाते हैं। इसे हटाना चाहिए। इससे लोगों को सहूलियत होगी या फिर व्यवस्थाओं को बढ़ाया जाए।

समस्याओं के निराकरण के लिए अफसरों को विचार करना चाहिए। न कि पहले से व्यापार कर रहे लोगों को परेशान करने के लिए नियम लाने चाहिए। रोजगार को बढ़ाने के लिए सभी को लाइसेंस दिया गया है।

यहां मंडी के बाहर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाए। जिससे आने जाने में आढ़तियों और खरीदारों को किसी प्रकार की समस्या न हो। इसके लिए अफसर तालमेल बनाएं।

तीन चुनावों की मतगणना के दौरान पूरी मंडी बंद की जाती है। यह हमारी बड़ी समस्या है। सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाकर हमें बची दुकानों पर काम करने की अनुमति देनी चाहिए।

दुकानों के आवंटन के वक्त अपनी क्षमता को देखना चाहिए था। अब इसे और अधिक बढ़ाना चाहिए। लगातार मंडी परिषद की ओर से चेतावनी दी जाती है। यह पूरी तरह से गलत है।

मंडी परिषद के बाहर जाम और कई समस्या रहती है। इसे दूर करना चाहिए। कई बार अंदर आते वक्त परेशानी होती है। जबकि सुबह के वक्त लोगों को काफी जल्दी रहती है।

साफ–सफाई के लिए समय पर काम करना चाहिए। दिन में तीन से चार बार सफाई होनी चाहिए। यहां पर अभी जल निकासी की समस्या है। इसे भी दूर करना चाहिए।

व्यापारियों की समस्या पर अफसरों को ध्यान देना चाहिए। उनके सामने लगातार बात रखी जाती है। कई आदेशों से तो बेवजह भय व्याप्त हो जाता है। इसके कारण समस्या होती है।

ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि बड़े ट्रक यहीं पर उतरें। जिससे यहां से सामान सभी जगह जाए। इसके लिए अफसरों को नियमित रूप से निरीक्षण करना चाहिए।

सफाई, पानी और शेड की व्यवस्था को और अधिक बढ़ाना चाहिए। जिससे लोगों को किसी प्रकार की समस्या न हो। यहां व्यापारियों से लगातार संपर्क किया जाना चाहिए।

यहां की समस्याओं के बारे में कई बार बात की गई है। इसका समाधान करना चाहिए। सभी जगह शेड और पानी का प्रबंध होना चाहिए। साफ सफाई भी नियमित होनी चाहिए।

हमने आढ़तियों को नोटिस नहीं दिया है। जो लोग चबूतरे पर बैठे हैं, उनका ठीक है। कुछ लोगों ने दुकान आगे बढ़ा ली है। कुछेक लोगों ने अपने से शेड बढ़ा लिया है। यह मंडी परिषद की ओर से नहीं किया गया है। बाकी जहां तक मतगणना के लिए मंडी बंद होने की बात है तो मामला निर्वाचन आयोग का है। सुरक्षा के दृष्टिगत जैसा निर्देश होगा उसके अनुसार कार्यवाही की जाएगी। –सुधांशु कुमार, मंडी सचिव

मोक्षदा जल धारा को संरक्षण हेतु मंगरौरा ब्लाक के औरँगाबाद में हुई ग्राम सभा की बैठक

भूटेश्वर महादेव धाम के पर्यटन विकास व चमरौर नदी पर पुल व घाट की हुई मांग

–धारा के किनारे हरिशंकरी पौध का रोपण हरियाली फैलाने का संकल्प लिया गया

–लोकपाल ने नदी की स्वच्छता की सराहना करते हुए इसे बनाये रखने का संदेश देते हुए जल का आचमन किया

प्रतापगढ़। मोक्षदा जल धारा के पुनरोद्धार व ग्रामीण पर्यटक केंद्र के रूप में विकसित करने हेतु मंगरौरा ब्लाक के औरंगाबाद ग्राम में ग्राम सभा की बैठक हुई। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की विशेष उपस्थिति में हुई बैठक में ग्राम वासियो ने मोक्षदा जल धारा के प्रबन्धन व संरक्षण कार्य को अनिवार्य ही नही अपरिहार्य भी बताते हुए धारा के किनारे के क्षेत्र को पर्यटक केंद्र के रूप में विकसित किये जाने की मांग की। बैठक में ग्राम स्थित अति प्राचीन भूटेश्वर महादेव धाम के मार्ग व मलभूत सुविधाओ के विकास व चमरौरा नदी पर धाम के सामने घाट बनाये जाने की मांग की। ग्राम पंचायत औरंगाबाद के प्रधान संजय यादव की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम सभा के बैठक का संयोजन व संचालन ग्राम पंचायत अधिकारी विवेक कुमार तिवारी ने किया। तकनीकी सहायक राज कुमार मिश्र व रोजगार सेवक रवींद्र प्रताप सिंह ने सहयोग किया। बैठक में सर्व प्रथम मोक्षदा जल धारा की प्राचीनता की चर्चा बुजुर्ग नागरिको द्वारा की गई। तदोपरांत गहन चर्चा के बाद

सर्व सम्मति से इस अद्भुत जल धारा के संरक्षण व प्रबन्धन में अपना सहयोग व भागीदारी का संकल्प लिया। सभी मे ग्राम पंचायत से इस स्थल को पर्यटक केंद्र के रूप में विकसित करने की मांग की। तय हुआ की ग्राम में धारा के किनारे आवागमन हेतु मार्ग विकसित किया जायेगा। साथ ही निमहा गाँव में संपर्क हेतु रपटा पुलिया बनाई जायेगी। धारा क्षेत्र में बंजर भूमि पर मनरेगा पार्क बनाने को प्रस्तावित किया गया।

ग्रामीणों के साथ लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने भूटेश्वर महादेव स्थान व चमरौरा नदी का दर्शन पूजन किया । नदी के प्राकृतिक स्वच्छता की सराहना करते हुए इसे निरंतर बनाये रखने का संदेश देते हुए जल का आचमन किया। ग्रामीणों ने धाम के विकास व नदी पर घाट बनाये जाने की मांग की। जिस पर लोकपाल ने ग्राम पंचायत को मूलभूत कार्य ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने व अन्य कार्यो हेतु पर्यटन सहित सभी संबंधित विभागों तथावजन प्रतिनिधियों के सहयोग से धाम व नदी के अपेक्षित कार्यो हेतु प्रयास करें। सरकार की योजनाओ का लाभ इस क्षेत्र को विकसित कर सकेगा।

ग्राम पंचायत द्वारा लोक भारती के जिला संयोजक दिनेश शर्मा के संयोजन में हरि शंकरी का पौध रोपित कर हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कृष्ण प्रसाद मिश्र, रवि सिंह, राम दुलार, दिनेश यादव, हरिकेश यादव, महेश यादव, राम विशाल, सियाराम, राधे श्याम, प्रवीण सिंह, गोकुल प्रसाद, श्रवण कुमार, हरि राम, संतोष कुमार व दूध नाथ मौर्य आदि शामिल रहे।

प्रयागराज में लगेगा मिनरल वाटर का प्लांट

प्रयागराज। प्रयागराज में एक और मिनरल वाटर प्लांट लगाने की तैयारी हो गई है। शीतल पेय और रेल नीर के बाद अब बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड नैनी औद्योगिक क्षेत्र के सरस्वती हाईटेक सिटी में मिनरल वाटर का प्लांट लगाएगा। प्लांट के निर्माण पर लगभग 250 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। प्लांट लगने पर सैकड़ों लोगों को इसमें रोजगार मिलेगा। बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड प्रयागराज में प्लांट लगाने की महीनों पहले से तैयारी कर रहा था। कंपनी के प्रतिनिधि प्लांट लगाने के लिए यहां जमीन देखने आए थे। आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान कंपनी के प्रतिनिधियों के यहां प्लांट के

लिए जमीन देखने का समाचार 'नैनी में बोतलबंद पानी का प्लांट लगाने की तैयारी शीर्षक के 16 फरवरी के प्रकाशित किया था। कंपनी के प्रतिनिधियों ने सरस्वती हाईटेक सिटी और बंद हो चुकी भारत पंप कंप्रेशर लिमिटेड (बीपीसीए) की जमीन देखी। तब कंपनी के प्रतिनिधि जमीन देखने और प्लांट लगाने की संभावना तलाशने के बाद लौट गए थे। प्रतिनिधियों से पूरी जानकारी प्राप्त करने के बाद कंपनी के प्रबंधन ने सरस्वती हाईटेक सिटी में प्लांट लगाने मंजूरी दे दी।

बेखौफ बाइकर्स ने भाजपा नेता को मारी गोली, मौत

–मथुरा में बेखौफ हुए बदमाशो ने व्यापारी में मारी गोली,

– व्यापारी हेमेंद्र गर्ग को उपचार को अस्पताल में चिकित्सकों ने किया मृत घोषित

–व्यापारी की हत्या की घटना को अंजाम देने वाले बदमाशों की पुलिस कर रही है तलाश

मथुरा। बुधवार की देर शाम मथुरा में हुई सनसनीखेज घटना से लोग सहम गये। भाजपा, व्यापारी संगठन और कई निजी संगठनों में लगातार सक्रिय रहे और पदेन सदस्य रहे कारोबारी हेमेन्द्र गर्ग की बाइकर्स ने गोली मार कर हत्या कर दी। दो बदमाश बाइक पर सवार होकर आये और कारोबारी को गोली मार कर फरार हो गये। एसएसपी श्लोक कुमार ने घटना को गंभीरता से लिया है। एसपी सिटी डा. अरविंद कुमार पूरे मामले को मॉनीटर कर रहे हैं। घटना के खुलासे के लिए पांच टीमों का गठन किया गया है। बुधवार की देर शाम हुई घटना की चर्चा रात में ही जिले भर में पहुंच गई थी। सुबह होने तक कारोबारी के

तपोभूमि के पास स्थित गायत्री विहार कॉलोनी में बने मकान पर भीड जुट गई। भाजपाई, व्यापारी और समाज के दूसरे लोग लगातार आवास पर जमे रहे। माहौल और भीड को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी लगातार सतर्कता बरत रहा है। आवास पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। एसपी सिटी लगातार लोगों से बात करते रहे और लोगों के सवालों और शंकाओं जा जवाब देते हुए दिखे। व्यापारी संगठनों ने जुडे लोग और भाजपाई लगातार पुलिस अधिकारियों पर सवाल दगा रहे थे। व्यापारी नेता हेमेंद्र गर्ग मसानी स्थित मोक्षधाम में भगवान नीलकंठ महादेव के सुबह और शाम नियमित दर्शन कर पैदल ही घर लौटते थे। बुधवार की देर शाम भी वह पैदल ही घर वापस आ रहे थे। इसे देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि पहले रेकी की गई इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से घटना को अंजाम दिया गया है। जिसके चलते बदमाश साफ बच निकलने में कामयाब रहे। व्यापरी भी लगातार यही सवाल पुलिस अधिकारियों से कर रहे हैं कि जब हेमन्दे यह कह रहे थे कि उन्हें खतरा है तो पुलिस ने इसे गंभीरता से क्यों नहीं लिया। घटना क्रम के अनुसार दो बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी, और घटना को अंजाम देकर बदमाश मौके से फरार हो गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में हेमेंद्र को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हेमेंद्र ने कुछ दिन पूर्व ही जमीनी विवाद में अपनी हत्या की आशंका जताई थी। उन्हें पहले भी जान से मारने की धमकी मिल चुकी थी। गायत्री तपोभूमि के पास स्थित गायत्री विहार कॉलोनी निवासी 55 वर्षीय हेमेंद्र गर्ग नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिला संगठन मंत्री थे। उनका महाविद्या कॉलोनी में प्रिंटिंग प्रेस का कारोबार था। सूचना मिलते ही एसपी श्लोक कुमार घटनास्थल पर पहुंच गए थे। उन्होंने हत्याकांड का खुलासा करने के लिए पुलिस की कई टीम बनाई है।

गोरखपुर ईकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

गोरखपुर। शहर समता विचार मंच गोरखपुर ईकाई की महिला काव्य गोष्ठी रेनू चतुर्वेदी के संयोजन और चित्रा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई । इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि अंजू भारती और विशिष्ट अतिथि उमेश श्रीवास्तव रहे। यह काव्य गोष्ठी 4 बजे से 5 बजे तक चली जिसका शुभारंभ

अध्यक्षता कर रही चित्रा श्रीवास्तव जी द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति चित्रा श्रीवास्तव के द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन चित्रा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में समस्त प्रतिभागी साहित्य अनुरागिनियों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें । जिसमें सरिता सिंह – दिल समंदर आँसुओं का खार ,चित्रा श्रीवास्तव, मैं भी रौशन होना चाहता हूं,उमा उपाध्याय– तू कौन है ,रेनू चतुर्वेदी –ज़िन्दगी का सफ़र ,बृजकिशोरी त्रिपाठी–पर्यावरण का संरक्षण , और प्रेम लता रसबिंदु – युग पुरुष रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसी रचनायें पढ़ी । धन्यवाद ज्ञापन चित्रा श्रीवास्तव जी ने किया।

बंद पड़े नाले का एसडीएम ने लिया त्वरित संज्ञान, स्वयं पहुंची मौके पर, सिंचाई विभाग के कर्मचारियों को चेताया

मुज़फ्फरनगर। आज गांव भैंसी में बंद पड़े नाले में उठी दुर्गन्ध मच्छर आदि से परेशान ग्रामीणों ने आज खतौली उपजिलाधिकारी मोनालिसा जौहरी से शिकायत की। शिकायत का त्वरित संज्ञान लेने वाली उपजिलाधिकारी मोनालिसा जौहरी आज मौके पर स्वयं ही पहुंच गई और उन्होंने मौके पर ही सिंचाई विभागों के कर्मचारी को बुलवा लिया। एसडीएम ने बन्द पड़े नाले में पानी चालू करवाने के सिंचाई विभाग के कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए निर्देशित किया गया कि अगर दो तीन दिन में बंद पड़े नाले में पानी नहीं चला तो आप लोगों के विरूद्व कार्यवाही करवा दूंगी और रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दूंगी। एसडीएम की त्वरित कार्यवाही की क्षेत्रवासियों ने तारीफ की वही क्षेत्र की जनता ने कहा ऐसी एसडीएम त्वरित कार्यवाही करने वाली पहली बार खतौली में आयी हैं। इस दौरान भा0जा0प0 जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा राजू अहलावत, गन्ना विकास परिषद चेयरमैन सुनील प्रधान, शिशुपाल, राजपाल, अशोक, राजन, अमित आदि सहित काफी ग्रामीण मौके पर उपस्थित रहे और एसडीएम की कार्यशैली की तारीफ की।

गंगा घाट से जेसीबी से हटाई जा रही सिल्ट

मोरना। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ में गंगा घाट से सिल्ट व मिट्टी को हटाने का काम शुरू हो गया है। जेसीबी से खुदाई कर घाट से सिल्ट व मिट्टी को बाहर निकाला जा रहा है, जिससे श्रद्धालु आराम से स्नान कर सके। तीर्थनगरी शुकतीर्थ में गंगा का जल स्तर घटने से गंगा घाट पर गंदगी मिट्टी व सिल्ट से चारों ओर दुर्गन्ध फैल रही है। दूर दराज क्षेत्रों से आने वाले

अनेक श्रद्धालु बगैर स्नान के लौटने लगे। सोमवार को साधु–संतो, पंडित व पुरोहितों ने घाट से सिल्ट हटवाने को प्रदर्शन किया तथा मंगलवार को बैठक कर आठ दिन में गंगा घाट से मिट्टी सिल्ट हटाकर जल का बहाव ठीक नही किए जाने पर नगरी में कराए जा रहे निर्माण कार्यो को बंद करा देने की चेतावनी दे डाली। जिसके बाद पहुंची मीरापुर विधायक मिथलेश पाल नगरी में पहुंची तथा साधु–संतों व पुरोहितों के साथ गंगा घाट का निरीक्षण कर एसडीएम जानसठ जयेंद्र सिंह को घाट के सामने से मिट्टी हटवाने के निर्देश दिए। बुधवार दोपहर को गंगा घाट से सिल्ट व मिट्टी को हटाने का काम शुरू हो गया है। जेसीबी से खुदाई कर घाट से सिल्ट व मिट्टी को बाहर निकाला जा रहा है, जिससे जल का बहाव होने से श्रद्धालु आराम से स्नान कर सके।

शहीद सैनिक की पुण्यतिथि पर नमन कर दी श्रद्धांजलि

भोपा। आठ वर्ष पूर्व गांव निरगाजनी निवासी नक्सली हमले मे शहीद हुए जवान मनोज की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया गया। इस दौरान हवन यज्ञ का भी आयोजन किया गया। नोएडा से पहुंचे सीआरपीएफ के जवानों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित

की। भोपा थाना क्षेत्र के गांव निरगाजनी निवासी सीआरपीएफ के जवान मनोज कुमार बीते 24 अप्रैल 2017 को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सली आतंकवादियों के हमले में बलिदान हो गए थे। जिनकी आठवीं पुण्यतिथि पर हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें सीआरपीएफ नोएडा गौतमबुद्ध नगर ग्रुप सेंटर से आए सब इंस्पेक्टर अनिल कुमार, हवलदार खुशहाल आदि जवान गांव में पहुंचे तथा बलिदानी जवान मनोज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद बलिदानी की मां मां राजेश देवी, भाई फौजी रमेश चंद व जोनी आदि परिवारजनों से मिले। इस दौरान प्रधान रजनीश शर्मा, राजपाल, सोनू, मोनू आदि मौजूद रहे।

डकैती के आरोपी को रिमांड पर लेकर किऐ जेवरात बरामद

भोपा। किरयाना व्यापारी के घर में परिवार को बंधक बनाकर डाली गई डकैती के आरोपी को पुलिस ने सात घंटे के रिमांड पर लेकर उसकी निशानदेही पर सोने चांदी के जेवरात बरामद किए। भोपा कस्बे में आठ दिसंबर 2024 की रात में किरयाना व्यापारी सतीश प्रजापति के घर में घुसकर छह बदमाशों ने डकैती डाली थी। जिसमें बदमाश नगदी व सोने चांदी के जेवरात समेत लगभग बीस लाख रुपये का माल समेटकर बदमाश फरार हो गए थे। प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि गुरुवार को न्यायालय के आदेश पर आरोपी शेखर निवासी खडखड़ी थाना खरखौदा, जिला मेरठ को सात घंटे के रिमांड पर लाया गया।

मनीष चौधरी एवं खाप चौधरियों ने पहलगाम के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक, खाप चौधरियों एवं अन्य संगठनों के साथ मिलकर राष्ट्रीय सामाजिक संस्था ने निकाला कैंडल मार्च, सरकार से की ठोस कार्यवाही की मांग

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष चौधरी के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के विरोध में क्षेत्र के लोगों ने सड़क पर उतरकर आक्रोश जताया और इस घटना में मारे गये 26 पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए कैंडल मार्च निकाला गया। उन्होंने केन्द्र सरकार से आतंकियों को घर में घुसकर मारने और कश्मीर के मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने की भी मांग की है।

कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को बैसरन घाटी में आतंकियों द्वारा पर्यटकों पर किये गये हमले को लेकर पूरे देश में गुस्सा है और शोक का माहौल बना हुआ है। ऐसे में राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष चौधरी एवं संजीव सहरावत और अंकित जावला की अगुवाई में भी बुधवार को मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडल मार्च निकाला गया। इसमें क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और इस हमले को कायरता बताते हुए दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति के साथ ही घायलों के

जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

मनीष चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि कश्मीर घाटी में निर्दोष और निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाकर उनकी हत्या करना मानवता के खिलाफ है। ऐसा करने वाले आतंकियों को सरकार सख्त सबक सिखाने के लिए उनके घर में घुसकर उनको मारने का काम करे। इस घटना से पूरे देश में आक्रोश और शोक का माहौल है। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले की घटना से पूरा देश स्तब्ध और आक्रोशित है। यह हमला हमारे देश की संप्रभुता और शांति भरे माहौल को चुनौती देने वाला भी है। कहा कि निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए इस अमानवीय कृत्य में कई मासूमों की जान जाना अत्यंत दुःखद और निंदनीय है। कहा कि आतंक फैलाने वालों का कोई मजहब नहीं होता है, हमें संकट की इस घड़ी में एकजुटता के साथ इसके खिलाफ आगे आना होगा। उन्होंने आतंकी हमले में मारे गये लोगों को शहीद बताते हुए कहा कि कश्मीर बदल रहा है और हम आतंकियों की कायरता से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने नैतिकता के आधार पर कश्मीर के मुख्यमंत्री से इस्तीफा मांगते हुए केन्द्र सरकार से ठोस कार्यवाही कर सुरक्षा के लिए विश्वास बहाल करने की मांग की।

सहरावत खाप के अध्यक्ष संजीव सहरावत ने अपने बयान में कहा कि पहलगाम का हमला चिंतनीय और निंदनीय है, यह कायरों का काम है, हम सभी को देश की सरकार के साथ खड़े होने की आवश्यकता है। जनता सरकार की ओर ही देख रही है, सरकार को न्याय करना चाहिए। कश्मीर में घुसने वाले आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देना होगा। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के ब्लॉक अध्यक्ष अंकित जावला ने कहा कि देश की जनता सरकार और सेना के साथ है। हमारे सैनिक इन कायरों को घर में घुसकर मारने का साहस रखते हैं। यह एक चुनौती है, हमें मिलकर इसका सामना करना है, जो लोग इस घटना में मार दिये गये, उनके प्रति पूरे देश की सहानुभूति है। देश का किसान भी जवान के साथ आने को तैयार है, सरकार आदेश करे तो हम बॉर्डर पर भी कूच करने से पीछे नहीं हटेंगे।

इस अवसर पर भारत लोकसेवक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केपी चौधरी, अंकित जावला, सचिन सहरावत, वीर सिंह मास्टर जी, मनोज सहरावत, आकाश चौधरी,अशोक, अमित कश्यप, विपिन राठी, प्रदीप, रामकुमार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा हिंदुओं की हत्या के विरोध में शिव सेना कार्यकर्ताओं ने शिव चौक पर पाकिस्तान का झंडा फूंक कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया

मुजफ्फरनगर। आज नेता मनोज सैनी के आह्वान पर शिव सेना के सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी तहसील मार्केट स्थित कार्यालय पर एकत्र हुए और वहां से 'इस्लामी आतंकवाद ओर पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए शिव चौक पर पहुंचे और जान के बदले जान खून के बदले खून जैसे नारे लगाते हुए पाकिस्तान के झंडे को जूते मारकर आग के हवाले किया' इस अवसर पर शिवसेना प्रदेश महासचिव डॉक्टर योगेंद्र शर्मा व मंडल अध्यक्ष लोकेश सैनी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में जिस तरह इस्लामी आतंकवादियों ने धर्म पूछ कर हिंदू भाइयों का कत्लेआम किया उसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि तुरंत पाकिस्तान व पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के कैंपों पर हमला

किया जाए और भारत में जेल में बंद आतंकवादियों का समर्थन करने वाले व उन्हें कानूनी सहायता करने वाले लोगों को चिन्हित कर उन्हें भी आतंकवादी घोषित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए/ वही शिव सेना जिलाअध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा ने कहा कि अब कहां गए जाति जनगणना करने वाली कहां गई जातिवाद को बढ़ावा देने वाले जाकर देखें कश्मीर में जाति पूछ कर हत्या की गई या धर्म पूछ कर शरम आनी चाहिए जातिवादी राजनीति करने वाले नेताओं को/

इस अवसर पर मुख्य रूप से शिवसेना प्रदेश महासचिव डॉक्टर योगेंद्र शर्मा लोकेश सैनी मंडल अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा जिला अध्यक्ष शिवसेना पंकज भारद्वाज हिंदू नेता राजेश कश्यप मंडल महासचिव जितेंद्र गोस्वामी महानगर अध्यक्ष अमरीश त्यागी पुष्पेंद्र सैनी गौतम कुमार मंडल उपाध्यक्ष आशीष शर्मा पूर्व नगर अध्यक्ष गोपी वर्मा जिला उपाध्यक्ष चेतन देव विश्वकर्मा डॉक्टर सचिन कुमार विशाल सिंघल युवा नगर महासचिव अनुज भारद्वाज संजय पुंडीर नवनीत पुंडी सुरेंद्र जी महाराज विकास जी अक्षय शर्मा की धीमान राजीव गर्ग राजकुमार सैनी राजू कुमार भारत राजपूत सूरज सिटी शिवम पंडित राहुल वाल्मीकि सोनू गुप्ता आदि शामिल थेस

आधारशिला के नाट्य महोत्सव मैं आज मायाराम की माया का हुआ सफल मंचन

प्रयागराज। आधारशिला प्रयागराज द्वारा आयोजित 15वां राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव 2025 (पांच दिवसीक्या) दिनांक 23 अप्रैल 2025 से दिनांक 27 अप्रैल 2025 तक स्थानीय रविंद्रालय प्रेक्षाग्रह (गोल्डन जुबली स्कूल परिसर जॉर्ज टाउन प्रयागराज) मैं दिनांक 24 अप्रैल 2025 को मुख्य अतिथि श्री वरुण जायसवाल (अध्यक्ष, रोटरी क्लब प्रयागराज) एवं अध्यक्षता प्रसिद्ध साहित्यकार, समीक्षक, एवं आलोचक, श्री रवि नंदन सिंह जी ने किया इस अवसर पर संस्था द्वारा वरिष्ठ रंगकर्मी श्री राकेश वर्मा को रंगकर्म में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया तत्पश्चात नाटक मायाराम की माया का मंचन प्रारंभ हुआ नाटक में दिखाया गया कि ष्क्या पृथ्वी का सबसे सीधा जीव मनुष्य है? आधारशिला (रंग मंडल) प्रयागराज द्वारा हास्य व्यंग्य नाटक जयवर्धनष् कृत ष्मायाराम

की मायाष् का मंचन जगत तारन स्कूल परिसर के रविंद्रालय प्रेक्षागृह में बृहस्पतिवार दिनांक 24 अप्रैल 2025 को हुआ वरिष्ठ रंगकर्मी श्री अजय केशरी के निर्देशकीय कौशल में कलाकरो ने अपने जीवंत अमिनय से दर्शकों को अंत तक बांधे रखा ष्मायाराम की मायाष् में आज के समय में इंसानों में जो भ्रष्टाचार स्वार्थ एवं अपना काम साधने की कला को आज के इस युग में दर्शाया गया है नाटक मायाराम के किरदार से शुरू होकर स्वर्ग लोक में जाकर खत्म होती है मायाराम ने पृथ्वी लोक पर एक बुड्ढी और जर्जर गाय का दान कर दिया उधर गाय स्वर्ग सिधार गई इस बात की चर्चा जब ब्रह्म लोक में हुई तो ब्रह्मा जी ने यमराज जी से पूछा कि पृथ्वी का सबसे सीधा जीव कौन है तो यमराज जी का कहना की पृथ्वी लोक का सबसे सीधा जीव मनुष्य होता है। क्योंकि वह उसके लिए मंदिर बनावत है और उनकी पूजा करता है इसी बात को साबित करने के लिए नारद मुनि द्वारा कहा गया कि मनुष्य सबसे शातिर खुरापाती और बदमाश होता है ना विश्वास हो तो मीरपुर गांव के मायाराम को एक दिन के लिए ब्रह्मलोक बुला लीजिए ष्प्रत्यक्षम किम प्रमाणंष्तब ब्रह्मा जी ने यमराज को कहां की मायाराम को सशरीर ब्रह्म लोक में लाने की व्यवस्था की जाए। इसी ताने–बाने के बीच नाटक चलता है यह पृथ्वी का जीव जब ब्रह्मा लोक पहुंचता है तो वहां क्या–क्या गुल खिलाता है। यही इस नाटक की विशेषता है हास्य और व्यंग के माध्यम से आज के समय में फैले भ्रष्टाचार, स्वार्थ और अपना काम साधने की कला का बखूबी वर्णन किया गया है। मायाराम की मुख्य भूमिका में– अनुराग केशरी, सेवक राम की भूमिका में– अमरजीत सिंह कुशवाहा, पुरोहित व नारद की भूमिका में– हरि नारायण पांडे, जग्गू एवं गाय की भूमिका में– जयद्रथ श्री मुख, मगही की भूमिका में– इंदल सिंह कुशवाहा, प्रपंची की भूमिका में– राकेश सिंह, ब्रह्मा की भूमिका में– गौरीश आहूजा, यमराज की भूमिका में शैलेश कुमार चित्रगुप्त एवं मुख्य गायक की भूमिका में– अमित यादव, पकड़ एवं गाय की भूमिका– में प्रदीप कुमार सिंह, जकड़– की भूमिका में हर्ष यादव, द्वारपाल व थानेदार की भूमिका में बब्बन यादव कोरस की भूमिका में– अनुप पाल कृष्ण यादव एवं सत्यम सिंह, वस्त्र विन्यास–गीता आर्य प्रकाश संचालन सुजाय घोष, ढोलक एवं संगीत संचालन– राकेश सिंह, वीडियोग्राफी– अंतेश गुप्ता और रूपसजा– कांची निर्भय।

नाटक के लेखक– जयवर्धन

परिकल्पना व निर्देशन– अजय केशरी

स्वागत एवं मंच संचालन– सचिव अजय केशरी धन्यवाद ज्ञापन– रमाकांत शर्मा ने किया।

नारकोटिक्स गतिविधियों पर लगाएं लगाम

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एनसीओआरडी की जिला स्तरीय समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई संपन्न। जिला आबकारी अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले के समस्त क्षेत्रों में नारकोटिक्स गतिविधियों पर नियंत्रण रखने के लिए विशेष अभियान चलाएं और इस अभियान की स्वयं निगरानी करें। चौकिंग आदि के दौरान पकड़े गए मादक पदार्थों का विनष्टीकरण त्वरित रूप से कराना सुनिश्चित करें, जिससे उक्त मादक पदार्थों का दुरूपयोग होने की सम्भावना न रहे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि नारकोटिक्स तथा मादक पदार्थो की तस्करी व अवैध व्यापार में संलिप्त संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित करते हुए, उन पर सतर्क निगरानी रखी जाये। स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर आदि के आस पास विशेष निगरानी रखी जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दुबे, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राजेश कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडेय, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुरेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक नगर अरविंद कुमार, पुलिस अधीक्षक क्राइम अवनीश कुमार मिश्रा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट निशा ग्रेवाल, सभी उप जिलाधिकारी तथा डिप्टी कलेक्टर सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

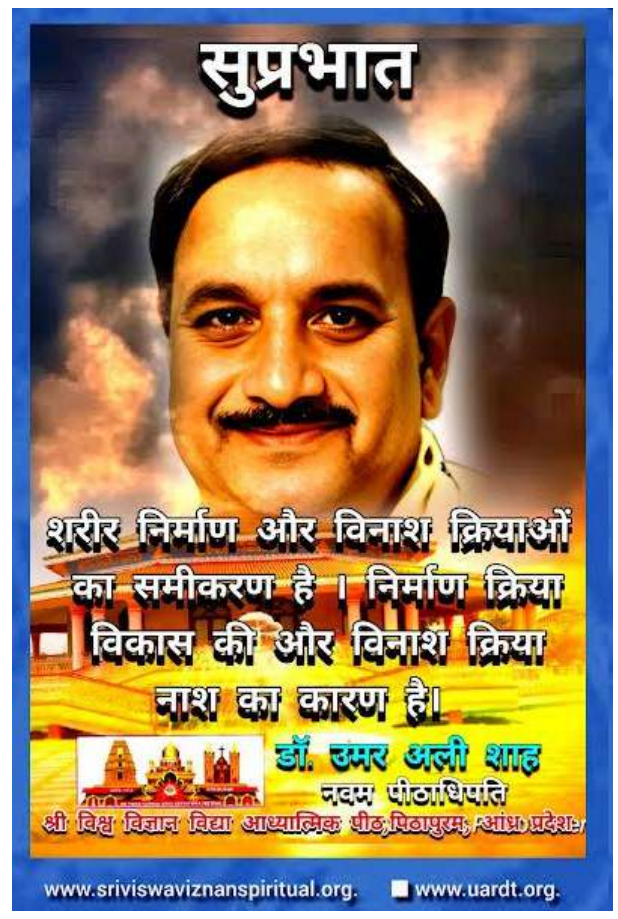

श्रीकृष्ण जन्मभूमि के आसपास चलाया सफाई अभियान

मथुरा। स्वच्छता सर्वेक्षण के अंतर्गत युद्ध स्तर पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम के सफाई मित्रों एवं नगर निगम में कार्यरत संस्था किंग ग्रुप के सफाई मित्रों के द्वारा संपूर्ण मथुरा–वृंदावन क्षेत्र अंतर्गत पूर्ण रूप से स्वच्छता हासिल करने में सफाई मित्रो द्वारा निरंतर शिफ्ट वाइज टीम गठित कर स्वच्छता का कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत सभी वार्डों,

गली, मोहल्ले में विशेष सफाई अभियान चलाकर सफाई की जा रही है, नालियों की सफाई, नालियों से सिल्ट उठान का कार्य, खाली प्लाटों की सफाई, मुख्य मार्गो की सफाई, डिवाइडर में से डस्ट को साफ कराया जा रहा है। कमर्शियल क्षेत्र में रात्रि कालीन विशेष सफाई का कार्य किया जा रहा है साथ ही कूड़ा उठान का कार्य किया जा रहा है। एवं रोस्टर अनुसार नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सभी वार्डों समस्त कार्यों की निगरानी निगम के अधिकारियों के साथ साथ निगम की कार्यदाई संस्था किंग ग्रुप के अधिकारियों के द्वारा किया जा रहा है। किंग ग्रुप संस्था के प्रोजना प्रमुख एस एस यादव एवं ऑपरेशन प्रबंधक हरीश सिंह ने कहा कि महासफाई अभियान के माध्यम से हम मथुरा वृंदावन शहर को स्वच्छ सुंदर बनाने के लिए प्रयासरत है।

प्रधानाचार्य, हिंदी प्रवक्ता व परिचारक के सेवानिवृत होने पर दी विदाई

भोपा। जनता इंटर कालेज में विदाई सह–सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रधानाचार्य राकेश कुमार, हिंदी प्रवक्ता रामपाल मृदुल एवं परिचारक जोगिंद्र कुमार को सेवानिवृत होने पर भावभीनी विदाई दी गई। शिक्षक साथियों ने उन्हें रामायण, छतरी, स्मृति चिंह, घड़ी, अटैची व अभिनंदन पत्र भेंट किए। समारोह की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रबंधक धर्मपाल सिंह राठी ने कहा कि शिक्षकों को गुरु शिष्य की परंपरा को कायम

रखते हुए शिक्षण कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अध्यापक कभी सेवानिवृत नहीं होता। समाज उनसे दिशा देने की अपेक्षा रखता है। कमेटी के अध्यक्ष संदीप राठी ने कहा कि शिक्षक एक प्रकाश पुंज भी है और प्रकाश का केंद्र भी। समारोह में प्रबंधक देवेंद्र शिवाच एडवोकेट ने कहा कि शिक्षक का समाज में सबसे ऊंचा स्थान होता है इसलिए शिक्षकों अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा व इमानदारी के साथ करना चाहिए। शिक्षक ही बच्चे के भविष्य निर्माता होते है। संचालन प्रधानाचार्य संजय कुमार ने किया। एनसीसी के मेजर अरविंद शिवाच ने भावुक होते हुए अभिनंदन पत्र पढ़कर सौंपा। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य परिषद के संरक्षक शिव कुमार यादव, प्रहलाद सिंह, कैप्टन प्रवीण चौधरी, कुसुम लता, सारिका जैन, ज्योति बाला, पूजा, डा. विनोद कुमार, फूलचंद्र , ऋषिपाल सिंह, डा. विनीत चौहान, राजेन्द्र सिंह, योगेंद्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह राठी, जवाहर सिंह, तेजपाल सिंह, विजय कुमार, अनीश कुमार आदि मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इजी०)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:– फेफना–ओडिहार अनुभाग में यमई–द्वितीय/वाराणसी के कार्यक्षेत्र में पीक्यूआर एस डीपो का प्रावधान। ई–निविदा सूचना सं०:– एनईआर–बीएसबी–2025–11, अनुमानित लागत (₹):– 7,69,12,267/–, बिड सिक्योरिटी (अमानत राशि) (₹):– 5,34,600/–, निविदा बन्द होने की तिथि:–16.05.2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि:– 06 माह, • निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी– 2025–11 दिनांक 16.05.2025 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे।, • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।
मण्डल रेल प्रबन्धक/(इन्जी०)
मुजाधि/डब्लू–29 वाराणसी
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

उत्तर मध्य रेलवे
सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रेलवे पुल संख्या-31 (जिसके नीचे से गुजरकर सड़क उत्तर की ओर कीडगंज पुलिस चौकी एवं दक्षिण की ओर आर्य कन्या चौराहे की ओर जाती है) के मरम्मत का कार्य होने के कारण दिनांक 28.04.2025 से 03 माह के लिए बंद रहेगा, इसके लिए जिला प्रशासन की अनुमति प्राप्त है।
704/25 (ADM)
सहायक मण्डल अभियन्ता/लाइन
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

बिजली का खेल

सही मायनों में हमें हर किसी मुफ्त चीज की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यही सिद्धांत किसी देश व राज्य की अर्थव्यवस्था पर भी लागू होता है। लोकलुभावन राजनीति के चलते वोट जुटाने के लिये जिन मुफ्त की योजनाओं को पंजाब में लागू किया गया, उसने राज्य की तरक्की की गति को कुंद ही बना दिया है। वैसे भी देखा जाए तो किसानों को लुभाने के लिये पंजाब में जो मुफ्त बिजली का खेल खेला गया था, वह कृषि के विकास में सहायक साबित नहीं हो रहा है। सही मायनों में यह लोकलुभावन दांव जड़ता का प्रतीक बनकर रह गया है। वर्ष 1997 में छोटे किसानों के लिये लिए शुरू किया गया बिजली सब्सिडी खेल, महज वोट बटोरने का साधन बनकर रह गया है। सच बात तो यह है कि कोई भी राजनीतिक दल ऐसी मुफ्त की सुविधाओं को, वोट कटने की आशंका के चलते बंद करने का जोखिम भी नहीं उठाता। यह विडंबना ही है कि जिस धन को कृषि की तरक्की, ऊर्जा के बेहतर उपयोग तथा सार्वजनिक जवाबदेही से जुड़े संरचनात्मक विकास के लिये खर्च किया जाना चाहिए था, उसे सब्सिडी के रूप में व्यय किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि यह सब्सिडी राज्य की वित्तीय सेहत के लिये घातक साबित हो रही है। विडंबना यह है कि इस वित्तीय वर्ष में बिजली सब्सिडी पर होने वाला व्यय करीब साढ़े बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक होने वाला है। चिंता की बात यह भी है कि यह धनराशि पंजाब के पूरे बजट का दस फीसदी के करीब बैठती है। इस सब्सिडी की राशि में से दस हजार करोड़ रुपये कृषि क्षेत्र के लिये और सात हजार छह सौ करोड़ रुपये घरेलू उपयोगकर्ताओं के लिये निर्धारित हैं। आश्चर्य की बात यह है कि लोगों को लुभाने के लिये दी जा रही सब्सिडी की यह राशि अब राज्य के राजस्व घाटे के बराबर हो गई है। इसके बावजूद यह स्थिति यदि राज्य के नीति–नियंताओं को विचलित नहीं करती है, तो इसे दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। विडंबना यह है कि राज्य में मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का काम सभी राजनीतिक दलों की सरकारों ने पार्टी लाइन से हटकर हर दौर में किया। घाटे की अर्थव्यवस्था को प्रश्रय देने वाली इस नीति को न केवल जारी रखा, बल्कि इसे प्रोत्साहित भी किया । वे मुखर कृषि लॉबी के दबाव में लगातार झुकते रहे। राजनेता दूरगामी व समग्र सुधार के बजाय मुफ्त में पैसे बांटकर चुनावी लाभ हासिल करने की होड़ में जुटे रहे। वहीं आप सरकार द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं के लिये तीन सौ यूनिट तक की बिजली मुफ्त करने से सब्सिडी का संकट और गहरा ही हुआ है। करीब नब्बे प्रतिशत तक परिवारों का बिजली बिल शून्य है। ऐसे में बिजली बचत या उपयोग की गई बिजली का भुगतान करने को प्रोत्साहन लगभग समाप्त हो गया है। अब तो पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड यानी पीएसपीसीएल कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरने की स्थिति में भी नहीं है। इतना ही नहीं पीएसपीसीएल दो हजार करोड़ रुपये की वार्षिक बिजली चोरी की चुनौती से भी जूझ रहा है। सरकार द्वारा दिए गए करीब चार हजार करोड़ रुपये के बेलआउट के बावजूद पीएसपीसीएल भारी घाटे में चल रहा है। राज्य के विकास में सहायक संस्थानों को मजबूत करने या स्थायी सिंचाई योजनाओं में निवेश के करने के बजाय, राज्य सरकारें वोटों के लालच में मुफ्त की रेवाड़ियां बांटने का उपक्रम करती रही हैं, जिसका खर्चा वहन करना उनके बूते की बात नहीं है। यह एक निर्विवाद सत्य है कि मुफ्त का चंदन बांटने का यह उपक्रम जितने लंबे समय तक चलेगा, उतने ही समय तक पंजाब की अर्थव्यवस्था में प्राणवायु का संचार करना, नये निवेश को आकर्षित करना तथा नये नौकरियों का सृजन करना और ज्यादा कठिन होता चला जाएगा। इसमें दो राय नहीं कि राज्य नेतृत्व को रियायतें देने के बजाय राज्य में विकास के बुनियादी ढांचे के निर्माण की ओर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। पंजाब को तय करना होगा कि वह बिजली पर सब्सिडी जारी रखेगा या अपने भविष्य को सशक्त बनाने को प्राथमिकता देगा।

सख्त कार्रवाई हो रामदेव के खिलाफ

डॉ. दीपक पाचपोर

रामदेव ने यह भी कहा कि अगर आप पतंजलि का शरबत पिएंगे तो गुरुकुल बनेंगे, आचार्य कुलम बनेगा। पतंजलि विश्वविद्यालय और भारतीय शिक्षा बोर्ड आगे बढ़ेगा। मैं कहता हूं कि ये शरबत जिहाद है।

अपना शरबत बाजार में उतारने के बाद पतंजलि के संस्थापक बाबा रामदेव की ओर से इसी महीने की शुरुआत में दिए गए साम्प्रदायिकता व नफरत फैलाने वाले बयान पर बेशक दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को उन्हें जोरदार फटकार लगाते हुए कहा हो कि, इससे अदालत की अंतरात्मा को झटका लगा है। इसे माफ नहीं किया जा सकता, पर सवाल यह है कि क्या खुद रामदेव इस बात को महसूस करेंगे कि वे अपने व्यवसायिक लाभ के लिये समाज को किस कदर बांट रहे हैं? इसके साथ ही सवाल यह भी है कि क्या सत्ता के नजदीक होने का अर्थ यह है कि कोई भी रसूखदार कानूनों की परवाह किये बिना मर्जी के मुताबिक बयानबाजी करे? अब देखना यह होगा कि अदालत बाबा रामदेव के खिलाफ सख्त कार्रवाई करती है या फिर उन्हें मात्र चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता है। अदालत ने उन्हें अपने विवादास्पद वीडियो हटाने तथा भविष्य में ऐसे बयान न देने की सख्त ताकीद दी है। मामले की अगली सुनवाई 1 मई को निर्धारित की गयी है। रामदेव के वकील को भी उपस्थित रहने के लिये कहा गया है। जस्टिस अमित बंसल ने सख्त आदेश देने की चेतावनी भी दी। उल्लेखनीय है कि आयुर्वेदिक दवाएं बनाने वाले पतंजलि के संस्थापक व योग गुरु रामदेव ने 3 अप्रैल को अपना शरबत लॉच करते हुए एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया था। इसमें वे अपने नये उत्पाद के प्रदर्शन के साथ यह कहते सुने गये– एक कंपनी शरबत बनाती है। उससे जो पैसा मिलता है उससे मदरसे और मस्जिदें बनती हैं। अगर आप वो शरबत पिएंगे तो मस्जिद और मदरसे बनेंगे। रामदेव ने यह भी कहा कि अगर आप पतंजलि का शरबत पिएंगे तो गुरुकुल बनेंगे, आचार्य कुलम बनेगा। पतंजलि विश्वविद्यालय और भारतीय शिक्षा बोर्ड आगे बढ़ेगा। मैं कहता हूं कि ये शरबत जिहाद है। जैसे लव जिहाद और वोट जिहाद चल रहा है, वैसे ही शरबत जिहाद भी चल रहा है।श उनका इशारा प्रसिद्ध शरबत रूह आफजा बनाने वाली कम्पनी हमदर्द की ओर था। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनके पक्ष–विपक्ष में बयानों व प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गयी थी। रूह आफजा, जिसे 1907 में हकीम हाफिज अब्दुल मजीद ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में बनाया था पीलीभीत के पंजाबियां मोहल्ले के निवासियों ने रामदेव के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा, श्रूह आफजा एक ऐसा पेय है जो हर धर्म के लोगों के दिलों को ठंडक देता है। इसे धार्मिक रंग देना गलत है। हालांकि विवाद बढ़ने पर रामदेव ने 12 अप्रैल को एक और वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा कि, मैंने एक वीडियो डाला। उससे सबको मिर्ची लग गई। मेरे खिलाफ हजारों वीडियो बनाए गए। कहा जाने लगा कि मैंने शरबत जिहाद का नया शिगूफा छोड़ दिया। अरे मैंने क्या छेड़ा? ये तो है ही। लव जिहाद, लैंड जिहाद, वोट जिहाद, बहुत तरह के जिहाद चलाते हैं ये लोग। मैं यह नहीं कह रहा कि वे आतंकवादी हैं, लेकिन इतना जरूर है कि उनकी इस्लाम के प्रति निष्ठा है। अपना उत्पाद बेचने के लिये एक प्रतिष्ठित कम्पनी को यूं बदनाम करने की रामदेव की यह हरकत अधिकतर लोगों को पसंद नहीं आई थी। लोगों ने न केवल दोनों के उत्पादों की तुलना करते हुए रूह आफजा को बेहतर बतलाया बल्कि उन सारी सामाजिक कल्याण की गतिविधियों को भी सामने लाया जिनका संचालन हमदर्द कम्पनी करती है। रामदेव के खिलाफ मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने दिल्ली के एक थाने में तो रिपोर्ट लिखाई ही, खुद हमदर्द कम्पनी ने न्यायालय का रूख किया था। कम्पनी के सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने इस बयान को हेट स्पीच के समकक्ष बताया और कहा कि यह साम्प्रदायिक विभाजन करने जैसा है। रोहतगी ने आरोप लगाया कि रामदेव ने ध र्म के आधार पर हमदर्द कंपनी पर हमला किया है। उनका कहना था कि रामदेव का नाम पर्याप्त मशहूर है और वे दूसरे प्रोडक्ट की बुराई किये बगैर पतंजलि का सामान बेच सकते हैं। पतंजलि के वकील राजीव नायर ने वादा किया कि ऐसे सभी वीडियो हटा लिये जायेंगे। अदालत ने चेतावनी दी कि, श्रामदेव ऐसी बातें अपने दिमाग तक सीमित रखें। इन्हें जाहिर न करें।श रोहतगी ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों वाले मामले की भी याद दिलाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने रामदेव और उनके भागीदार बालकृष्ण को लोगों से माफी मांगने का आदेश दिया था। दोनों ने कोरोना की अंग्रेजी दवाओं के खिलाफ भी गलत बयान दिए थे। वैसे भ्रामक विज्ञापन मामले में बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई थी। कोर्ट ने दोनों के माफीनामे स्वीकार करते हुए दोनों के खिलाफ दायर अवमानना का मामला बंद कर दिया था। रामदेव बाबा को योग को लोकप्रिय बनाने का श्रेय तो जाता है लेकिन अपनी व्यवसायिक महत्वाकांक्षाओं तथा भारतीय जनता पार्टी की सरकारों से मिलने वाले अनपेक्षित लाभों के कारण वे विवादग्रस्त हो चुके हैं। उनकी पतंजलि कम्पनी आयुर्वेदिक दवाओं के साथ–साथ खान–पान की सामग्रियों, सौंदर्य प्रसाधनों और यहां तक कि जीन्स भी बनाती है। देश भर की सैकड़ों दुकानों एवं मेडिकल स्टोर्स में कम्पनी के उत्पाद बड़े पैमाने पर बिकते हैं। पतंजलि के उत्पाद कई राज्यों में बनते हैं। सत्ता से मिली शह के चलते रामदेव का कद इतना बड़ा हो गया है कि अधिकांश राज्यों में उन्हें एक तरह से राज्य अतिथि का दर्जा मिलता है और उन्हें जो भी सुविधाएं उनके व्यवसायिक कार्यों के लिये चाहिये होती हैं, वे चुटकी बजाते उपलब्ध हो जाती हैं। उनके अनेक उत्पाद गैर मानक घोषित किये जा चुके हैं लेकिन रामदेव किसी कार्रवाई की चिंता से मुक्त होकर अपने व्यवसाय का संचालन बेखटके करते हैं।

न्यायपालिका को सरकार की बांदी बनाने की मुहिम

अनिल जैन

इस समय केन्द्र सरकार के कुछ मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट को जिस तरह गाली–गलौज की भाषा में ध ामकाया जा रहा है, उसे देखते हुए करीब चार दशक पुराना वाकया याद आ रहा है। उस समय राजीव गांधी की सरकार में एक मंत्री हुआ करते थे–बिहार के कमलाकांत तिवारी उर्फ के.के. तिवारी। वे अपने नाम के साथ प्रोफेसर भी लिखते थे, जिससे ऐसा लगता था कि वे पढ़े–लिखे और शालीन व्यक्ति हैं, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं था। उनकी काबिलियत यह थी कि वे अव्वल दर्जे के चापलूस, बदतमीज, बदजुबान थे। राजीव गांधी और उनकी सरकार के खिलाफ बोलने–लिखने वाले किसी भी विपक्षी नेता या किसी बड़े पत्रकार के खिलाफ गाली–गलौज करने और उसका रिश्ता सीआईए या केजीबी से जोड़ने में के.के. तिवारी बिलकुल देर नहीं लगाते थे। इस सिलसिले में उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह तक को नहीं बख्शा था। उन्होंने जैल सिंह के संबंध पंजाब के आतंकवादियों से जोड़ते हुए राष्ट्रपति भवन को साजिशों का अड्डा तक बता दिया था। हालांकि तिवारी को अपनी बदजुबानी की कीमत मंत्री पद से इस्तीफा देकर चुकानी पड़ी थी। उसके कुछ समय बाद हुए चुनाव में कांग्रेस भी सत्ता से बाहर हो गई थी। के.के. तिवारी का क्या हुआ, वे कहां हैं या नहीं हैं, किसी को नहीं मालूम। बहरहाल नरेन्द्र मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के साथ टकराव के हालात बना रखे हैं। राजीव गांधी के पास तो एक ही के.के. तिवारी थे, लेकिन आज हम देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के पास के. के. तिवारीनुमा मंत्रियों और सांसदों की एक बड़ी फौज है जिसने सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। हैरानी की बात यह है कि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इस फौज की अगुवाई करते दिख रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के दो फैसले टकराव का मुद्दा बने हुए हैं। एक फैसले में राज्यपालों की मनमानी पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राज्य विधानसभा में पारित विधेयक को राज्यपाल अनंतकाल तक बिना मंजूरी दिए अपने पास नहीं रख सकें गे। अगर राज्यपाल किसी विधेयक को खुद मंजूरी न देते हुए उसे राष्ट्रपति के पास भेजते हैं तो राष्ट्रपति को भी उस पर तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह सही है कि संविधान में इस बात का जिक्र नहीं है कि विधानसभा में पारित किसी विधेयक को राज्यपाल को कितने समय के अंदर मंजूरी देनी है। इसका यह मतलब भी नहीं है कि राज्यपाल अनिश्चितकाल तक विधेयक को बिना मंजूरी दिए अपने पास रख सकते हैं। अगर कोई राज्यपाल ऐसा करता है तो जाहिर है कि वह अपनी सरकार को काम नहीं करने देना चाहता है। आजादी के बाद लंबे समय तक इस मामले मे सुधार की जरूरत महसूस नहीं हुई या सुप्रीम कोर्ट को दखल देने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी, तो उसका कारण यह था कि किसी भी राज्यपाल ने महीनों और सालों तक विधेयक लटका कर नहीं रखे। यह समस्या अभी हाल के वर्षों में ही पैदा हुई है। हालांकि जिन राज्यों में भाजपा या उसके गठबंधन की सरकारें हैं, वहां इस तरह की कोई समस्या नहीं है, परन्तु गैर भाजपा शासित लगभग सभी राज्यों में राज्यपालों ने अघोषित रूप से यह रवायत बना ली है कि वे सरकार को परेशान करने की नीयत से विधेयकों को लटकाए रखते हैं और कभी–कभी विधेयक को विवादास्पद बताकर उसे राष्ट्रपति के पास भेज देते हैं। राष्ट्रपति के पास भी वह विध ेयक महीनों तक पड़ा रहता है। ऐसी ही समस्या का निदान करने के लिए ही तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ा और विधेयकों की मंजूरी के लिए एक समय सीमा निश्चित करनी पड़ी। यह फैसला आते ही उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्र सरकार के मंत्री बिफर पड़े और अमर्यादित भाषा में सुप्रीम कोर्ट को अपनी मर्यादा में रहने की नसीहत देने लगे। ऐसा नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नाराज लोगों को यह नहीं मालूम है कि सुप्रीम कोर्ट को यह दखल क्यों देना पड़ा। उपराष्ट्रपति ध ानखड़ तो संवैधानिक मामलों के जानकार बताए जाते हैं। जाहिर है कि उन्हें राज्यपालों की बदनीयती और मनमानी पर संवैध ानिक अंकुश मंजूर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट से सरकार के टकराव का दूसरा मामला तो और भी ज्यादा संगीन स्थिति में पहुंच गया है। केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए वक्फ संशोधन के प्रावधानों पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाकर सरकार से कुछ स्पष्टीकरण मांगे हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश आते ही भाजपा नेताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश पर हमले शुरू हो गए हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, श्भारत में चल रहे गृह युद्धों के लिए प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं।श इस सिलसिले में दुबे ने अपनी जहरीली जुबान से देश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी को भी निशाना बनाया। वक्फ संशोधन कानून को लेकर कुरैशी की एक पोस्ट के जवाब में दुबे ने कहा कि आप मुख्य चुनाव आयुक्त नहीं, मुस्लिम आयुक्त थे। देश के प्रध ान न्यायाधीश पर दुबे के आपत्तिजनक और खतरनाक बयान के बाद भाजपा के दूसरे कई सांसदों और नेताओं ने भी सुप्रीम कोर्ट को अपनी हदों में रहने की नसीहत दी। हालांकि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने निशिकांत दुबे और अन्य नेताओं के बयान से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि उनके बयानों से पार्टी सहमत नहीं है, ये उनके निजी बयान हैं। भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी न्यायपालिका के खिलाफ ऐसी बातों को नापसंद करती है। उनकी इस सफाई से समझा गया कि भाजपा ने इस मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। मगर इसके बाद भाजपा के अंदर से जैसी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं, उनसे विवाद में नया पहलू जुड़ा है। दो प्रतिनिधि बयान खास तौर पर गौरतलब हैं पश्चिम बंगाल की भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने निशिकांत दुबे की बातों को दोहराते हुए कहा कि–उन्होंने सही बात कही है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और मध यप्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दुबे को सार्वजनिक रूप से ऐसी बातें न बोलने की सलाह देते हुए कहा–श्कभी–कभी सच बोलने से बचना पड़ता है। सत्ताधारी जमात के इकोसिस्टम के एक हिस्से ने तो सोशल मीडिया पर सुप्रीम कोर्ट के साथ–साथ नड्डा को भी निशाने पर ले लिया। उनके खिलाफ अपमानजनक हैशटैग ट्रैंड कराया गया, जिसके तहत कुछ लोगों ने उनसे इस्तीफे की मांग भी की। इससे विपक्ष के इस आरोप को वजन मिला कि दुबे ने जो कहा, वह सत्ताधारी जमात की असल मंशा को जाहिर करता है और नड्डा की सफाई महज रस्म अदायगी है। वक्फ संशोधन विधेयक का पारित कराना, उस पर सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम रोक को लेकर निशिकांत दुबे का बयान तथा राज्यपालों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर उपराष्ट्रपति धनखड़ सहित तमाम भाजपा नेताओं के बयान भाजपा एवं उसकी सरकार की एक सोची–समझी रणनीति के हिस्से हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट को ऐसी नसीहतें देने और सरकार व संसद को उससे ऊपर बताने का सिलसिला बहुत पहले से जारी है। कानून मंत्री रहते हुए रविशंकर प्रसाद कई मौकों पर ऐसी नसीहत दे चुके हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने तो केरल के सबरीमाला मंदिर के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर 27 अक्टूबर 2018 को साफ शब्दों में कहा था– श्अदालतें किसी मामले में फैसला देते वक्त व्यावहारिक रुख अपनाएं और वैसे ही फैसले दें, जिन पर अमल किया जा सके दरअसल संसद, चुनाव आयोग, जांच एजेंसियां और मीडिया को अपने अनुकूल बनाने के बाद अब न्यायपालिका ही ऐसी संस्था बची है जो पूरी तरह सरकार के काबू में नहीं आ पाई है। सो, उसे काबू में करने का अभियान छेड़ दिया गया है। सहयोगी दलों की बैसाखियों पर टिकी 240 लोकसभा सीटों वाली सरकार का यह दुस्साहस देखते हुए अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोकसभा चुनाव में 400 सीटें क्यों चाहिए थीं और अगर वे मिल जातीं तो क्या होता!

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले महत्वपूर्ण राजनीतिक मंथन

कल्याणी शंकर

इस साल के अंत में बिहार में होने वाले चुनाव काफी अप्रत्याशित हैं। अभी तक, भाजपा, राजद, कांग्रेस या जद (यू) के लिए कोई आसान रास्ता नहीं है। बिहार की राजनीति में मंथन चुपचाप हो रहा है। सत्ता की गत्यात्मकता में संभावित बदलाव हो सकता है। पिछले दो दशकों से जनता दल (यूनाइटेड) के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाली भाजपा प्रमुख भूमिका निभाने की उम्मीद कर रही है। राजद सरकार का मुखिया बनना चाहता है। दो महत्वपूर्ण शक्ति समूह लड़ाई में हैं। एक तरफ एनडीए और दूसरी तरफ महागठबंधन, जिसमें राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल हैं। पार्टी के भीतर और भीतरी गतिशीलता पूरे जोश में है। एनडीए और महागठबंधन एक बड़े राजनीतिक मुकाबले के लिए सोची–समझी चाल चल रहे हैं। दिल्ली विध ानसभा चुनाव जीतने के बाद, लगातार उन राज्यों में जीत से उत्साहित भाजपा ने अब बिहार पर नजरें गड़ा दी हैं। बिहार की जातिगत राजनीति दिलचस्प है। पिछड़े वर्ग की आबादी 63. 13प्रतिशत है, जबकि सवर्ण जातियां केवल 15.52प्रतिशत हैं। पिछड़े वर्ग की श्रेणी में अन्य पिछड़ा वर्ग 27.12 है, जबकि अत्यंत पिछड़ा वर्ग की आबादी 36प्रतिशत है। दलितों की संख्या लगभग 19.65 है और यादवों की संख्या 14.26प्रतिशत है। नीतीश कुमार की कुर्मी जाति, कुर्मी, जिसे ओबीसी के रूप में भी वर्गीकृत किया गया है, की आबादी 2.87प्रतिशत है। पिछले विधानसभा चुनावों में, लगभग 15प्रतिशत आबादी वाली उच्च जातियों ने कई पार्टियों में टिकट वितरण पर अपना दबदबा बनाया था। भाजपा ने अपने 47.3प्रतिशत टिकट उच्च जाति के उम्मीदवारों को दिये थे, जबकि कांग्रेस ने अपनी 40प्रतिशत सीटें उच्च जातियों को दी थीं। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में, महागठबंधन 243 सदस्यीय विधानसभा में साधारण बहुमत हासिल नहीं कर सका, केवल 12 सीटों से चूक गया। राजद सदन में सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन सरकार नहीं बना सकी। 2025 के चुनावों के लिए, जेडी(यू) ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाने की पुष्टि की है। जाने–माने चुनाव विशेषज्ञ प्रशांत किशोर ने भविष्यवाणी की थी कि नीतीश कुमार अपना राजनीतिक करियर खत्म कर देंगे। राजद ने अपने नेता तेजस्वी यादव को चुना है। कांग्रेस ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। इस महीने से शुरू हुई कांग्रेस और राजद के बीच बैठकों का सिलसिला जारी है। जनता दल (यूनाइटेड) पार्टी और भाजपा गठबंधन वर्तमान में बिहार पर शासन कर रहे हैं। नीतीश कुमार की बिगड़ती सेहत, जातिगत संतुलन और गठबंधन के कामकाज ने बिहार को एनडीए के लिए राजनीतिक रूप से अप्रत्याशित बना दिया है। अगर भाजपा नीतीश को चुनती भी है, तो उनके स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे चुनाव परिणाम को काफी प्रभावित कर सकते हैं। जेडीयू भाजपा के साथ ज्यादा सीटों के लिए मोलभाव करना चाहती है। 2020 में जेडी(यू)ने 115 सीटों पर चुनाव लड़ा,लेकिन सिर्फ 43 सीटें ही जीत पायी थी। इसके विपरीत, भाजपा ने 110 सीटों पर चुनाव लड़ा और 74 सीटें जीतीं। राजद, कांग्रेस और कुछ छोटी पार्टियों से मिलकर बना महागठबंधन कड़ा चुनौती दे रहा है। गठबंधन पर चर्चा के लिए पिछले हफ्ते दिल्ली में राजद और कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की बैठक हुई थी। 2020 के बाद से राजनीतिक पुनर्संयोजन–वीआईपी का महागठबंधन में शामिल होना, एलजेपी का एनडीए के साथ गठबंधन और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का जेडी(यू) में विलय–चुनावी तस्वीर को जटिल बनाते हैं। 2020 के बाद से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम एनडीए के भीतर सत्ता समीकरण में बदलाव रहा है, जिसमें भाजपा मजबूत होकर उभरी है। भाजपा ने रणनीतिक रूप से गैर–प्रमुख अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और गैर–प्रमुख दलित समुदायों को अपने पक्ष में किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिनों क लिए बिहार गये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही बिहार का दौरा करेंगे। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने एक चौंकाने वाली घोषणा करते हुए कहा कि वह अपने समाजवादी सहयोगी नीतीश कुमार के साथ सुलह करने के लिए तैयार हैं। इस बयान के जवाब में नीतीश ने कहा कि उन्होंने अनजाने में राजद के साथ गठबंधन कर लिया था। हालांकि, तेजस्वी यादव ने जोर देकर कहा कि महागठबंधन में नीतीश के लिए कोई जगह नहीं है। कई लोगों का मानना है कि अपने यू–टर्न के लिए मशहूर नीतीश पाला बदल सकते हैं। भारत के विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपनी समन्वय समिति का प्रमुख नियुक्त किया है। यह निर्णय 17 अप्रैल को पटना में छह गठबंधन सहयोगियों की बैठक के दौरान लिया गया। महागठबंधन में कांग्रेस और वामपंथी दलों को चिंता है कि राजद सीट बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप देने के लिए आखिरी समय तक इंतजार करेगा। कांग्रेस पार्टी 2020 में उन्हें दी गयी कमजोर सीटों से नाखुश है। उसने पिछले चुनाव में जिन 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से उन्हें केवल 19 सीटें ही मिलीं। सीपीआई (एमएल), जिसने 2020 में अच्छा प्रदर्शन किया था, सीटों का बड़ा हिस्सा चाहती है। 2005 के बाद से, आरजेडी को 2015 और 2022 में छोटी अवधि ा को छोड़कर, सत्ता हासिल करने में कठिनाई हो रही है। फिलहाल, तेजस्वी यादव के सामने दो मुख्य कार्य हैं। सबसे पहले, उन्हें मुसलमानों और यादवों के अपने मूल समूहों से परे अन्य जातियों को शामिल करने के लिए समर्थन का विस्तार करने की आवश्यकता है। इसके लिए एक मजबूत जमीनी स्तर का अभियान शामिल है, क्योंकि पारंपरिक मतदान के रुझान बदल रहे हैं। कांग्रेस ने बिहार में युवा नेतृत्व विकसित नहीं किया है। इसका पुराना कोर ग्रुप मुस्लिम और दलितों के वोट बैंक दूसरे दलों में चले गये हैं। पार्टी ने हाशिए पर पड़े समुदायों पर नजर रखने के लिए संविधान नेतृत्व कार्यक्रम शुरू किया है। मुख्य दलों को अपने समूहों के भीतर और बाहर दोनों जगह चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, और एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव की उम्मीद है। ध्यान देने वाली बात यह है कि नीतीश कुमार का ईबीसी बरकरार है और आरजेडी–कांग्रेस गठबंधन को चुनौती दे रहा है। नवंबर से पहले कई और बदलाव हो सकते हैं, जिन्हें देखना दिलचस्प होगा। राजनीति में एक सप्ताह लंबा माना जाता है। छह महीने वास्तव में लंबे होते हैं।

फिल्म 'जोश' में शाहरुख खान की बहन नहीं बनना चाहती थी काजोल, ऐश्वर्या राय ने लपक लिया था ऑफर, निर्देशक मंसूर खान ने किया खुलासा

> शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म में शाहरुख खान की बहन की भूमिका निभाने के लिए काजोल को भी ऑफर किया गया था। यह तब की बात है जब यह जोड़ी उस दौर की सबसे बड़ी रोमांटिक जोड़ी के रूप में स्थापित हो चुकी थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में, मंसूर खान ने ऐश्वर्या को फिल्म में कास्ट करने के बारे में भी खुलकर बात की।

फिल्म निर्माता मंसूर खान, जिन्होंने पंथ क्लासिक फिल्में कयामत से कयामत तक (1988) और जो जीता वही सिकंदर (1992) का निर्देशन किया है, ने हाल ही में अपनी 2000 की एक्शन–रोमांटिक ड्रामा जोश की कास्टिंग प्रक्रिया पर विचार किया। शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म में शाहरुख खान की बहन की भूमिका निभाने के लिए काजोल को भी ऑफर किया गया था। यह तब की बात है जब यह जोड़ी उस दौर की सबसे बड़ी रोमांटिक जोड़ी के रूप में स्थापित हो चुकी थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में, मंसूर खान ने ऐश्वर्या को फिल्म में कास्ट करने के बारे में भी खुलकर बात की। इस फिल्म में शाहरुख खान मैक्स का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी बहन शर्ली से बेहद प्यार करता है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब शर्ली को मैक्स की प्रतिद्वंद्वी से प्यार हो जाता है। वहीं, फिल्म में शर्ली यानी शाहरुख खान की बहन का किरदार ऐश्वर्या राय बच्चन ने निभाया था, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि शाहरुख की बहन का रोल पहले काजोल को दिया गया था। जी हां, जब काजोल को यह रोल ऑफर किया गया तो उन्होंने सीधे मना कर दिया, जिसके पीछे एक बड़ी वजह थी। उस दौरान शाहरुख खान और काजोल ने शदिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगेश और श्कुछ कुछ होता हैश जैसी सुपरहिट फिल्में दी थीं। ऐसे में अगर वह पर्दे पर शाहरुख खान की बहन का रोल निभातीं तो दर्शकों और प्रशंसकों को झटका लगता।

काजोल को ऑफर हुआ रोल

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्ममेकर मंसूर ने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्होंने काजोल को कहानी सुनाई थी और उम्मीद थी कि वह हां कह देंगी। लेकिन कहानी सुनाए जाने के बाद काजोल ने सीधे मना कर दिया। फिल्ममेकर ने कहा, श्श्डीडीएलजेश, श्बाजीगरश और श्करण अर्जुनश के बाद लोगों को काजोल को फिल्म में शाहरुख खान की बहन बनाना बहुत अजीब लगता। जब मैंने उन्हें स्क्रिप्ट सुनाई और पूछा कि क्या वह यह रोल करेंगी तो उन्होंने मना कर दिया।श

ऐश्वर्या राय को यह रोल कैसे मिला?

जोश के निर्देशक मंसूर ने यह भी साझा किया कि कुछ कुछ होता है फेम काजोल खुद मैक्स का किरदार निभाना चाहती थीं क्योंकि वह किरदार काफी मजबूत और स्टाइलिश था। लेकिन फिल्म की स्क्रिप्ट में उस तरह से बदलाव नहीं किया जा सकता था, इसलिए उन्हें मना करना पड़ा। मंसूर ने कहा, श्काजोल के मना करने के बाद मुझे समझ में आया कि शायद कोई भी शाहरुख की बहन का किरदार नहीं निभाना चाहेगा। लेकिन शुक्र है कि ऐश्वर्या ने खुशी–खुशी यह रोल स्वीकार कर लिया।

न टैलेंट, न लुक्स, वो मेरी सगी बहन पूजा भट्ट के सामने आधी भी नहीं..आलिया को लेकर ये क्या कह गए सौतेले भाई राहुल भट्ट

भट्ट परिवार हमेशा से बॉलीवुड के चर्चित परिवारों में से एक रहा है। इस परिवार के अंदरूनी रिश्ते और बयानों ने कई बार सुर्खियां बटोरी हैं। हाल ही में, आलिया भट्ट के सौतेले भाई राहुल भट्ट ने एक इंटरव्यू में कुछ ऐसे बयान दिए हैं, जिन्होंने एक बार फिर भट्ट परिवार को चर्चा में ला दिया है। राहुल ने हाल ही में न सिर्फ एक्ट्रेस की तुलना अपनी सगी बहन से की बल्कि ये भी कहा कि वो उनके आगे कुछ भी नहीं है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, जब राहुल भट्ट से पूछा गया कि क्या वह मानते हैं कि आलिया भट्ट भट्ट परिवार की विरासत को आगे ले जा रही हैं, तो उन्होंने बेहद चौंकाने वाला जवाब दिया। राहुल ने कहा अगर आप मुझसे पूछें, तो मेरी नजर में आलिया मेरी सगी बहन पूजा भट्ट की आधी भी नहीं है दृ न टैलेंट में, न लुक्स में, न अट्रैक्शन में। पूजा के सामने वो बस पानी कम चाय है। राहुल ने पूजा को सबसे ज्यादा मोरलिस्टिक और टैलेंटेड बताया और कहा कि अगर सभी भाई–बहनों में से किसी को भट्ट परिवार की विरासत को आगे ले जाना है, तो वो सिर्फ पूजा भट्ट ही हो सकती हैं। इतना ही नहीं, इंटरव्यू में राहुल भट्ट ने अपने जीजा व एक्टर रणबीर कपूर को लेकर कहा–रणबीर कपूर एक अच्छे पिता हैं। मुझे उसकी एक्टिंग समझ नहीं आती, कौन एनिमल है, कौन एक्टर है, कौन कपूर है, ये सब एक जैसा लगता है। लेकिन वो मेरी सौतेली बहन का ख्याल रखता है, अपनी बेटी से प्यार करता है, मेरे लिए यही काफी है। नाम, शोहरत, फिल्में ये सब आते–जाते रहते हैं, लेकिन पिता का किरदार अहम होता है। भट्ट परिवार की पृष्ठभूमि की बात करें तो फिल्म निर्देशक महेश भट्ट ने पहली शादी साल 1970 में किरण भट्ट से की थी। इस शादी से उनके दो बच्चे हुए दृ पूजा भट्ट और राहुल भट्ट। बाद में, 1986 में महेश ने सोनी राजदान से दूसरी शादी की, जिससे उन्हें दो बेटियां दृ आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट हुईं। इस दूसरी शादी के लिए महेश भट्ट ने इस्लाम धर्म अपनाया था, ताकि वे पहली पत्नी से तलाक दिए बिना दूसरी शादी कर सकें।

पहलगाम टेरर अटैक पर बयान देकर ट्रोल हो रहे हैं एक्टर सनी देओल

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है, और बॉलीवुड सेलेब्स भी इस हमले के बाद सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। जहां एक तरफ अक्षय कुमार, संजय दत्त, अनुपम खेर जैसे सितारे अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं, वहीं सनी देओल को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। सनी देओल ने इस हमले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, इस समय दुनिया की सोच सिर्फ आतंकवाद को खत्म करने की होनी चाहिए क्योंकि इसका शिकार सिर्फ मासूम लोग होते हैं। इंसान को अपने अंदर झांकने की जरूरत है। इस दुख की घड़ी में मैं पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा हूं। इस समय दुनिया की सोच सिर्फ आतंकवाद को खत्म करने की होनी चाहिए क्यूंकि इसका शिकार सिर्फ मासूम लोग ही होते है ,इंसान को अपने अंदर झांकने की जरूरत है। इस दुख की घड़ी में मैं पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा हूं। हालांकि, सनी देओल के इस पोस्ट को कुछ लोग पसंद कर रहे हैं, लेकिन एक बड़ी संख्या में सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। दरअसल, सनी देओल ने कुछ समय पहले पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान के कामबैक का समर्थन किया था। इस कारण, लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं और उनकी पिछली टिप्पणी को याद दिला रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, तू तो बोल रहा है पाकिस्तानी कलाकारों को काम देने के लिए।श वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, जाट फिल्म रिलीज से पहले क्या बोले थे तुम? – पाकिस्तान के कलाकारों को रोकना नहीं चाहिए, सीमाओं से परे सिनेमा होता है। तुम जैसों की इसी सोच ने ये हाल किया है। सनी देओल ने जाट फिल्म के प्रमोशन के दौरान फवाद खान के कामबैक पर कहा था, देखिए, मैं इसके राजनीतिक पहलू में नहीं जाना चाहता, क्योंकि यहीं से चीजें गड़बड़ होने लगती हैं। हम एक्टर्स हैं, हम दुनियाभर के दर्शकों के लिए काम करते हैं। लोग देख रहे हों या नहीं, हम सबके लिए परफॉर्म करते हैं। तो, ऐसी कोई बात नहीं है। दुनिया जिस तरह की है, हमें वैश्विक बने रहना चाहिए और बाकी देशों का स्वागत करना चाहिए।

संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' को लेकर देरी की खबरें गलत

बॉलीवुड के दीवानों को जब यह खबर मिली कि संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' अब मार्च 2026 में रिलीज नहीं हो पाएगी, तो हर तरफ हलचल मच गई। खबरों में कहा गया कि फिल्म की शूटिंग नवंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच होगी, ऐसे में पोस्ट–प्रोडक्शन का काम समय पर पूरा नहीं हो पाएगा। लेकिन अब सूत्रों ने साफ कर दिया है कि फिल्म अपने तय शेड्यूल पर ही चल रही है और फिलहाल किसी भी तरह की देरी की कोई बात नहीं है। एक इंडिपेंडेंट इंडस्ट्री सोर्स ने बताया, 'लव एंड वॉर' तय समय के अनुसार बन रही है। प्रोडक्शन टीम पूरी तरह से प्लान के हिसाब से काम कर रही है और फिल्म को लेकर किसी भी लेट होने की चर्चा पूरी तरह बेबुनियाद है।ष यानी फिल्म के शेड्यूल में कोई खास बदलाव नहीं किया गया है। संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म लव एंड वॉर को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रही है। यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें पहली बार भंसाली के साथ रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल की दमदार तिकड़ी बड़े पर्दे पर नजर आएगी। भव्यता और शानदार कहानी के लिए मशहूर भंसाली इस फिल्म के जरिए एक नया सिनेमाई अनुभव देने वाले हैं। लव एंड वॉर को 20 मार्च 2026 को रिलीज किया जाएगा, और फैंस बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं।

शाहरुख खान से लेकर सलमान, ऋतिक, प्रियंका, आलिया तक कई बड़ी हस्तियों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की

22 अप्रैल 2025 को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इस भीषण हमले में 26 लोगों की जान चली गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गए। इस दुखद घटना पर बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार समेत कई सितारों ने सोशल मीडिया के ज़रिए गहरा दुख और गुस्सा ज़ाहिर किया है। जहां कुछ लोगों ने इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों के ख़लिाफ़ कड़ी कार्रवाई की मांग की, वहीं कुछ लोगों ने लोगों की मौत और जम्मू–कश्मीर में शांति की कामना की। आइए एक नज़र डालते हैं कि बॉलीवुड सेलेब्स ने आतंकी हमले पर क्या कहा। अभिनेता शाहरुख खान, सलमान खान और अल्लू अर्जुन समेत कई भारतीय अभिनेताओं ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की बुधवार को एक स्वर में निंदा करते हुए अपनी पीड़ा व्यक्त की। भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन निर्देशक संघ (आईएफटीडीए) ने भी इस कृत्य पर बुधवार को गहरा दुख व्यक्त किया। इस हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं। शाहरुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''पहलगाम में हुई हिंसा के अमानवीय कृत्य पर दुख और आक्रोश को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। ऐसे समय में हम केवल ईश्वर की ओर मुड़ सकते हैं और पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं।'' निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, मेरी संवेदना उनके परिवारों के साथ है। एक भी निर्दोष को मारना पूरी कायनात को मारने के बराबर है।'' आलिया ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, ''निर्दोष लोगों की जान चली गई। पर्यटक वे लोग जो बस... सुंदरता की तलाश में, शांति की तलाश में जी रहे थे और अब केवल दुख है। भगवान उन आत्माओं को शांति दे।'' प्रियंका ने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, ''कई मासूम जिंदगियां ऐसे तूफान में फंस गईं, जिसकी उन्होंने कभी उम्मीद भी नहीं की थी। अपने प्रियजनों के सामने ही उन्हें निशाना बनाया गया...।'' कैटरीना ने कहा, ''मैं उन सभी परिवारों के लिए शक्ति और शांति की प्रार्थना करती हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। न्याय मिले।'' अनुष्का शर्मा ने कहा, ''कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए निर्मम आतंकी हमले के बारे में सुनकर दिल को चोट पहुंची। उनके परिवारों के प्रति हार्दिक प्रार्थना और संवेदना।'' ऋतिक रोशन ने कहा, ''मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं, उनकी आत्मा को शांति मिले। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।'' फिल्म 'पुष्पा 2' के अभिनेता अल्लू अर्जुन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''....पीड़ितों के सभी परिवारों, प्रियजनों के प्रति संवेदना। उनकी आत्माओं को शांति मिले।'' अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक खबर साझा की और लिखा, ''इससे मेरे दिल को चोट पहुंची।'' अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा कि निर्दोष लोगों के खिलाफ क्रूरता अस्वीकार्य है। अभिनेत्री–राजनेता कंगना रनौत ने कहा कि आतंकवादियों ने निहत्थे नागरिकों पर गोलियां चलाईं। दुलकर सलमान ने कहा कि उनकी संवेदना इस भयानक और कायरतापूर्ण हमले के पीड़ितों के साथ है। करीना कपूर खान ने 'इंस्टाग्राम' में लिखा, ''पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए बेहद दुखी हूं। जान गंवाने वालों के लिए प्रार्थना कर रही हूं।'' विक्की कौशल ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए उम्मीद जतायी कि इस जघन्य कृत्य के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। अभिनेता–फिल्म निर्माता फरहान अख्तर ने कहा कि निर्दोष लोगों के खिलाफ हिंसा के यह मूर्खतापूर्ण कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। अजय देवगन ने कहा कि वह आतंकवादी हमले के बारे में सुनकर स्तब्ध हैं। अक्षय कुमार ने पोस्ट किया, ''पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की खबर सुनकर स्तब्ध हूं। इस तरह निर्दोष लोगों की हत्या करना घोर पाप है।'' अभिनेता सनी देओल ने कहा कि अब समय आ गया है कि आतंकवाद को समाप्त करना प्राथमिकता बन जाए। अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा घ्घ्ने पहलगाम आतंकवादी हमले को 'कायरतापूर्ण कृत्य' करार दिया। आईएफटीडीए के अध्यक्ष अशोक पंडित द्वारा हस्ताक्षरित एक बयान में निदेशकों के संघ ने इस हमले की निंदा की और घटना से प्रभावित लोगों के लिए प्रार्थना की।

पेट स्वस्थ रखेंगे फाइबर से भरपूर ये फूड्स, वजन भी रहेगा बिल्कुल कंट्रोल

स्वस्थ शरीर के लिए प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर डाइट का सेवन करना जरुरी है। इन सबके अलावा फाइबर भी शरीर के लिए बेहद जरुरी माना जाता है। फाइबर पेट को स्वस्थ रखने में और इससे संबंधी समस्याएं दूर रखने में मदद करता है। फाइबर वजन भी कंट्रोल में रखता है। इसे डाइट में शामिल करने के लिए आप साबुत अनाज, बीन्स, ड्राई फ्रूट्स और कई फल और सब्जियों का सेवन कर सकते हैं। फाइबर प्लांट बेस्ड खाद्य पदार्थों में मौजूद होता है। यह दो तरह का होता है सॉल्युबल फाइबर और इनसॉल्युबर फाइबर। इसके अलावा कुछ ऐसे फूड्स भी हैं जिनका सेवन करके आप फाइबर ले सकते हैं। आइए जानते हैं।

एवोकाडो

यह पोषक तत्वों से भरपूर फल है। इसमें हैल्दी फैट्स, विटामिन्स, मिनरल्स पाए जाते हैं। इसके अलावा एवोकाडो में विटामिन–सी, ई, के, बी6, राइबोफ्लेविन, नियासिन, फोलेट, पैंटाथनिक एसिड, मैग्नीशियम और पौटेशियम भी पाया जाता है। इसमें पाया जाने वाला एवोकाडो भूख कंट्रोल करने में मदद करता है जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। इसके अलावा यह पेट के गुड बैक्टीरिया को पोषण देने और पाचन को भी सही बनाने में मदद करता है।

ड्राई फ्रूट्स

नट्स का सेवन भी स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होता है। नट्स के तौर पर आप बादाम, पिस्ता और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनका सेवन करने से फाइबर की कमी भी दूर होगी और पाचन को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी।

बेरीज

सभी तरह की बेरीज जैसे ब्लूबेरी, जामुन, रास्पबेरी, स्ट्रॉबेरी और ब्लैकबेरी भी फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है। इसका सेवन करने से पाचन में मदद मिलती है और कब्ज जैसी बीमारियां भी दूर रहती हैं। रोजाना मुट्ठी भर बेरीज का सेवन आप कर सकते हैं। सलाद, स्मूदी, ओट्स या फिर किसी डिश के तौर पर आप इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

साबुत अनाज

साबुत अनाज का सेवन भी शरीर के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। गेंहू, राई, जई, जौ, मक्का, ब्राउन राइस, ब्लैक राइस, बाजरा, क्विनोआ जैसे अनाज में फाइबर, प्रोटीन, विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट्स मिनरल्स, आयरन, जिंक, कॉपर और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह पोषक तत्व पेट को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

क्या आपके बच्चे में भी हैं सेंसरी सीकिंग के लक्षण, नजरअंदाज करना पड़ सकता है भारी

बच्चों का चुलबुलापन और शरारतें भला किसे पसंद नहीं होती हैं। वहीं उम्र बढ़ने के साथ ही बच्चों के शरीर में कई तरह के शारीरिक और मानसिक विकास भी होते रहते हैं। जिस तरह से धीरे–धीरे बच्चा बड़ा होता जाता है, वैसे–वैसे उनकी इंद्रियों की क्षमता भी विकसित होने लगती है। बच्चे जब बचपन में इंद्रियों में संवेदी अनुभव की तलाश करना शुरू करते हैं। तो बच्चे हर चीज की तरफ आकर्षित होने लगते हैं। हांलाकि सभी बच्चों में एक जैसी गतिविधियां नहीं पाई जाती हैं। इस तरह की स्थिति को सेंसरी सीकिंग कहा जाता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बच्चों में होने वाले सेंसरी सीकिंग के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

क्या है Sensory Seeking

आपको बता दें कि बढ़ती उम्र के साथ ही बच्चे स्वाद, ध्वनि, गंध, दृष्टि और स्पर्श जैसी चीजों के प्रति आकर्षित होते हैं। वह धीरे–धीरे इन चीजों को जानते और समझते हैं। हांलाकि सभी बच्चों में यह स्थिति समान नहीं होती है। जहां कुछ बच्चे खेलकूद के प्रति आकर्षित होते हैं, तो वहीं कुछ बच्चों का किसी खास तरह के म्यूजिक और कुछ का खाने–पीने की चीजों की तरफ आकर्षण होता है। इस स्थिति को ही सेंसरी सीकिंग कहा जाता है। लेकिन क्या आपको मालूम है कि कुछ बच्चों में सेंसरी सीकिंग से जुड़ी कुछ परेशानियां भी होती हैं।

सेंसरी सीकिंग से जुड़े लक्षण

गले लगने में हिचकिचाना
किसी की गोद में न जाना
वस्तुओं को छूना या सहलाना
स्थिर बैठने में परेशानी होना
हाइपर एक्टिव होना
ऊँचे स्थानों से कूदना
बार–बार चीजों को मुंह में डालना

बच्चों में इस तरह के लक्षण दिखने पर उनका विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए। इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे उनके कई तरह की परेशानियों का खतरा बढ़ जाता है। बता दें कि सेंसरी सीकिंग से जुड़ी स्थितियां बच्चों को इंद्रियों को ट्रिगर कर सकती हैं। सेंसरी सीकिंग के कारण बच्चों में स्पर्श, लाइट, साउंड और गंध आदि से जुड़ी परेशानियों का खतरा होता है। इसके अलावा बच्चों को किसी बात के लिए रोकटोक न करना भी उनके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। वहीं हर बात के लिए बच्चों को न कहना भी कम खतरनाक नहीं होता है। लेकिन बच्चे की हर बात को मानना उन पर नकारात्मक असर डाल सकता है। इसलिए माता–पिता को बच्चों को हां या नहीं बोलने की लिमिट सेट करनी चाहिए। वहीं असामान्य लक्षण दिखने पर डॉक्टर से जरूर संपर्क करना चाहिए।

आईस क्रीम को स्टोर करते हुए भूल से भी ना करें ये गलतियां

जब आप आइसक्रीम को स्टोर कर रहे हैं तो आपको यह जरूर देखना चाहिए कि आप इन्हें किस तरह के फूड्स के साथ स्टोर कर रहे हैं। कभी भी इन्हें ऐसे फूड्स के साथ ना रखें, जिनकी तीखी गंध हो। डेयरी प्रोडक्ट्स आसपास की गंध को सोखने के लिए जाने जाते हैं।

गर्मी का मौसम हो, तो आइसक्रीम खाने का मन कर ही जाता है। तपती गर्मी में ठंडी–ठंडी आइसक्रीम खाने का अपना एक अलग ही मजा होता है। बच्चे तो लगभग हर दिन ही आइसक्रीम खाने की जिद करते हैं। ऐसे में या तो हम घर पर ही आइसक्रीम बनाते हैं या फिर बाहर से मंगवाते हैं। लेकिन एक बार आइसक्रीम खाने के बाद अगर वह बच जाती है तो उसे सही तरह से स्टोर करना बेहद जरूरी होता है। अक्सर लोग आइसक्रीम स्टोर करते समय कुछ छोटी–छोटी गलतियां करते हैं, जिसकी वजह से आइसक्रीम पूरी पिघलकर खराब हो जाती है और फिर उसे खाने का मन ही नहीं करता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही छोटी–छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको आइसक्रीम स्टोर करते हुए बचना चाहिए–

आइसक्रीम कंटेनर को कवर ना करना

यह तो हम सभी जानते हैं कि आइसक्रीम को फ्रीजर में रखना चाहिए, लेकिन इसे सही तरह से रखना बेहद जरूरी होता है। अमूमन लोग आइसक्रीम कंटेनर को फ्रीजर में ऐसे ही रख देते हैं। जिससे आइसक्रीम का टेस्ट खराब हो जाता है। अगर आप कंटेनर पर लिड नहीं लगाते हैं तो इससे हवा के संपर्क में आने के कारण फ्रीजर बर्न हो सकता है। जिससे आइसक्रीम की सतह पर बर्फ के क्रिस्टल बन सकते हैं और इसका स्वाद और टेक्सचर दोनों ही बदल सकते हैं।

गलत फूड्स के साथ स्टोर करना

जब आप आइसक्रीम को स्टोर कर रहे हैं तो आपको यह जरूर देखना चाहिए कि आप इन्हें किस तरह के फूड्स के साथ स्टोर कर रहे हैं। कभी भी इन्हें ऐसे फूड्स के साथ ना रखें, जिनकी तीखी गंध हो। डेयरी प्रोडक्ट्स आसपास की गंध को सोखने के लिए जाने जाते हैं। इससे न केवल उनका स्वाद प्रभावित होता है बल्कि उनमें से अजीब सी स्मेल भी आती है। इसलिए, यदि आपकी आइसक्रीम किसी तीखी चीज के पास और बिना ढके रखी है, तो संभावना है कि इसका स्वाद उसी जैसा हो जाएगा। बेहतर होगा कि आप ऐसी किसी भी गलती से बचें।

लंबे समय तक बाहर छोड़ना

कई बार हम आइसक्रीम खाने के बाद उसे लंबे समय तक कमरे के तापमान पर ऐसे ही छोड़ देते हैं। यह आपकी एक बड़ी गलती हो सकती है। खासतौर से, गर्मी के मौसम में यह गलती नहीं करनी चाहिए। इससे आइसक्रीम पिघल सकती है और फिर जब आप इसे रिफ्रीज करते हैं तो बर्फ के क्रिस्टल बन सकते हैं, जिससे आपको बाद में वह टेस्ट नहीं मिलता है।

जलन से लेकर मधुमेह जैसी बीमारियों के लिए वरदान है धनिया

धनिये का इस्तेमाल सब्जी का स्वाद बढाने के लिए और गार्निशिंग के लिए किया जाता है। इसके अलावा ये हमारी सेहत के लिए भी बहुत लाभदायक होता है। इसमें बहुत से पोष्टिक तत्व पाए जाते हैं जैसे कि खनिज और विटामिन जो हमारी कई तरह की परेशानियों से छुटकारा दिलाने में मदद करते हैं। जड़ी बूटी बनाने में भी इसका परयोग किया जाता है। हम आज आपको इससे मिलने वाले फायदों के बारे में बताताने जा रहें हैं जिसे जान आप भी हैरान हो जाएंगे।

पाचन तन्त्र को सुधारने में

धनिया गैस से छुटकारा दिलाने और पाचन तंत्र को ठीक करने में मदद करता है। इसके लिए 2 कप पानी लेकर उसमें जीरा और धनिए के पत्ते डालें। इसके बाद चाय की पत्ती और सोंफ डालकर 2 मिनट तक उबालें।

आँखों की जलन दूर करने मे

धनिया आंखों की जलन को दूर करता है। इसके लिए एक प्रकार का चूर्ण तैयार करना पड़ेगा। चूर्ण तैयार करने के लिए सौंफ, मिश्री तथा धनिये के बीजों को बराबर मात्रा में लेकर उसे पीस लें। अब इस चूर्ण को भोजन के बाद खाएं। 6 ग्राम चूर्ण का सेवन करने से आँखों व हाथ पैरों की जलन से छुटकारा पाया जा सकता है।

नकसीर को दूर करने में

नकसीर में आराम पाने के लिए धनिये का इस्तेमाल किया जा सकता है। हरे धनिये की 20 ग्राम पत्तियां लें, अब इसमें लगभग चुटकी भर कपूर मिला लें। इसके बाद इनको पीस लें, इससे बने रस को छान कर अलग कर लें। रस की दो बूंदों को नाख के दोनों छिद्रों में दोनों तरफ टपका लें, साथ ही रस को माथे पर लगा कर हल्का मलने पर नाख से निकलने वाला खून तुरंत ही बंद हो जाता है।

मधुमेह रोगियों के लिए

धनिये का इस्तेमाल त्वचा के लिए बहुत ही असरदायक साबित होता है। धनिया का सेवन खून में इन्सुलीन की मात्र को नियंत्रण में रखता है। धनिये के इस्तेमाल से मधुमेह को भी खत्म किया जा सकता है।

बिना तंदूर के डिशेज में आएगा तंदूरी फ्लेवर, खाना बनेगा लजीजदार, सर्व करने से पहले करें ये काम

> घर पर तंदूरी फूड तो आप सभी खूब ऑर्डर करके खाते होंगे। तंदूरी डिश खाने का मजा ही अलग होता है। आमतौर पर कई लोगों के घरों में ग्रिल और ओवन नही है उनके पास बाहर का खाना खाने के अलावा और कोई ऑप्शन नहीं होता है। आज हम आपको खाने में तंदूरी फ्लेवर लाने के कुछ उपाय बताएंगे।

इस मौसम में शाम और रात के समय में घरों में तंदूरी व्यंजनों का मजा लेते हैं या फिर बाजार से ऑर्डर कर भोजन के स्वाद का मजा लेते हैं। बाकी डिशेज को घर पर बनाना काफी आसान होता है, लेकिन आप तंदूर के बिना भी तंदूरी व्यंजनों को मजा ले सकते हैं। आमतौर पर कई लोगों के घरों में ग्रिल और ओवन नही है उनके पास बाहर का खाना खाने के अलावा और कोई ऑप्शन नहीं होता है। आज हम आपको खाने में तंदूरी फ्लेवर लाने के कुछ उपाय बताएंगे।

साबुत मिर्च का करें इस्तेमाल

सबसे पहले आप साबुत मिर्च को गैस पर भुन लें फिर उसे सरसों के तेल में डालकार चटका लें। सरसों के तेल और मिर्च को दाल या फिर डिश में डालकर ढक लें। कुछ देर में डिश से सौंधापन आने लगेगा। साबुत मिर्च को आप 2 से 3 चम्मच सरसों का तेल गर्म करें और उसमें साबुत मिर्च को तोड़कर चटकाएं, फिर इसे व्यंजन के ऊपर डालकर ढक दें।

बड़ी इलायची

बड़ी इलायची से खुशबू ला सकते हैं, इसके लिए 2–3 बड़ी इलायची को भूनकर या फिर डायरेक्ट आग में जलाकर कूट लें। एक चम्मच गर्म तेल में कूटी हुई इलायची को डालकर मिलाएं और पसंदीदा डिश में ऊपर से डालकर ढक दें। इसके बाद आप बड़ी इलायची के अलावा आप काली मिर्च को भी भुनकर डिशेज में स्वाद ला सकते हैं।

कोयला

चारकोल जिले कोयला भी कहा जाता है। सबसे पहले आप एक टुकड़े को गैस में जलाएं और एक छोटी कटोरी में रखें। कटोरी में एक से दो चम्मच घी डालें और डिश के ऊपर रखकर ढक्कन बंद कर दें। घी और कोयले का धुएं पुरे डिश में फैला सकते हैं।

स्मोकी चीज

बाजार में स्मोकी चीज मिलता हैं जिससे आप अपने खाने को लजीजदार बना सकते हैं। इसे आप अपने स्पेशल डिश के ऊपर रखें और थोड़ा सा गर्म या बेक कर खाने के लिए परोसे।

संक्षिप्त

सरकार वोडा आइडिया में नहीं लेगी 49 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी, सिंधिया बोले– कंपनी बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करे

नई दिल्ली। सरकार की वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। सरकार यह नहीं चाहती कि दूरसंचार कंपनी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) में बदल जाए। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बुधवार को यह बात कही। वोडाफोन आइडिया को कड़ा संदेश देते हुए सिंधिया ने पीटीआई–भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा कि अब यह दूरसंचार कंपनी का काम है कि वह अपना प्रदर्शन सुनिश्चित करे। हाल ही में स्पेक्ट्रम नीलामी के बकाया 36,950 करोड़ रुपये को इक्विटी में परिवर्तित करने के बाद, सरकार के पास अब वोडाफोन आइडिया लिमिटेड में 48.99 प्रतिशत शेयर हैं। इससे पहले, सरकार की हिस्सेदारी लगभग 22.6 प्रतिशत थी। यहां यह बताना जरूरी है कि अगर सरकार के पास अब कोई अतिरिक्त हिस्सेदारी आई तो कंपनी सार्वजनिक उपक्रम में बदल सकती है और सरकार इसे प्रशासनिक नियंत्रण में ला सकती है। क्योंकि केंद्र के पास तब कंपनी का बोर्ड नियुक्त करने का अधिकार होगा। इसके साथ ही, ऐसी परिस्थितियों में कंपनी कैग और अन्य निरीक्षण निकायों के दायरे में भी आ जाएगी। सिंधिया ने कहा, अब यह उनका (वीआईएल का) काम है कि वे अच्छा प्रदर्शन करें। आज सरकार के पास कंपनी की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सरकार का इसे सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम बनाने का कोई इरादा नहीं है। इसलिए हम 49 प्रतिशत हिस्सेदारी पर कायम रहेंगे।

भूमिगत कोयला खनन में तेजी लाने के लिए सरकार ने उठाया बड़ा कदम; अग्रिम भुगतान माफ, छूट की भी पेशकश

नई दिल्ली। भूमिगत कोयला ब्लॉकों के परिचालन में तेजी लाने के लिए सरकार ने गुरुवार को अग्रिम भुगतान माफ करने जैसे नए प्रोत्साहनों की घोषणा की। भूमिगत कोयला खनन को बढ़ावा देने से जुड़ा यह कदम देश के टिकाऊ कोयला उत्पादन अभियान के तहत उठाया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, ष्भारत के कोयला क्षेत्र को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए, कोयला मंत्रालय ने भूमिगत कोयला खनन को बढ़ावा देने के उद्देश्य

से कई परिवर्तनकारी नीतिगत उपाय शुरू किए हैं।ष ये सुधार उच्च पूंजी निवेश और लंबी निर्माण अवधि की चुनौतियों का समाधान करते हैं। बयान में कहा गया है, भूमिगत कोयला खदानों के लिए राजस्व हिस्सेदारी का न्यूनतम प्रतिशत चार प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत कर दिया गया है। इस लक्षित कटौती से पर्याप्त राजकोषीय राहत मिलेगी और भूमिगत परियोजनाओं की वित्तीय व्यवहार्यता बढ़ेगी। भूमिगत खनन उपक्रमों के लिए अनिवार्य अग्रिम भुगतान की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। यह उपाय वित्तीय अवरोध को दूर करता है, निजी क्षेत्र से व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और परियोजना के तेजी से क्रियान्वयन की सुविधा प्रदान करता है। इन प्रोत्साहनों को भूमिगत कोयला ब्लॉकों के लिए प्रदर्शन सुरक्षा पर मौजूदा 50 प्रतिशत छूट द्वारा और अधिक संपूरित किया गया है। इससे सामूहिक रूप से प्रवेश सीमा कम हो गई है और परियोजना का सुचारू कार्यान्वयन संभव हो गया है। भूमिगत कोयला खनन अधिक पर्यावरण अनुकूल है, क्योंकि यह ओपनकास्ट खनन की तुलना में सतह पर काफी कम व्यवधान पैदा करता है। सरकार की नीतिगत उपायों से उन्नत तकनीकों को अपनाने को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। लॉन्गवॉल सिस्टम, रिमोट सेंसिंग उपकरण और एआई–आधारित सुरक्षा तंत्र से उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अरहर दाल की कीमत में आई कमी, सरकार के इस फैसले से हुआ कमाल

घर में आमतौर पर अरहर की दाल काफी खाई जाती है, जो सेहत के लिए बेहद अच्छी मानी जाती है। कई लोगों का मानना है कि अगर दिन में एक बार अरहर की दाल का सेवन ना किया जाए तो दिन का खाना पूरा नहीं होता है। यही कारण है कि सरकार भी हमेशा अरहर की दाल की कीमत को नियंत्रण में करने की कोशिश में लगी रहती है। समय समय पर सरकारी एजेंसियां भी किसानों से सीधे अरहर की दाल खरीदती हैं ताकि इसकी कीमत आसमान ना छूने लगे। हालांकि कुछ समय पहले ही अरहर की दाल की कीमत में बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में सरकार अरहर की दाल की नई फसल के आते ही इसकी खरीद फिर शुरू कर चुकी है। ऐसे में संभावना है कि आगामी दिनों में अरहर की दाल की कीमत कम हो सकती है। इस संबंध में कृषि मंत्रालय ने जानकारी दी कि सरकार मूल्य समर्थन योजना के तहत अबतक इस वर्ष 3,92,000 टन अरहर की दाल खरीद चुकी है। इस योजना के तहत अरहर की दाल की खलीर न्यूनत समर्थन मूल्य पर हो रही है। मंत्रालय ने नौ राज्यों में 13.22 लाख टन अरहर दाल खरीदी है। सरकार का लक्ष्य है कि कीमत पर लगाम लगाने के उद्देश्य से बाजार में बाजार में जारी करने के लिए 10 लाख टन अरहर का बफर स्टॉक बनाया जाएगा। मंत्रालय ने बयान में जानकारी दी की इस महीने 22 तारीख तक इन राज्यों में 3.92 लाख टन अरहर की दाल खरीदी जा चुकी है। ऐसे में इन राज्यों के कुल 2,56,517 किसानों को लाभ हुआ है।

'आईएसआईएस कश्मीर' ने भारतीय कोच गौतम गंभीर को दी जान से मारने की धमकी, दिल्ली पुलिस से की शिकायत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच और भाजपा के पूर्व सांसद गौतम गंभीर को श्आईएसआईएस कश्मीरश (ष्ै ज्ञौउपत) से जान से मारने की धमकी मिली है। इस धमकी के बाद गंभीर ने बुधवार को दिल्ली पुलिस से संपर्क किया और तत्काल कार्रवाई की मांग की। राजेंद्र नगर पुलिस स्टेशन के एसएचओ और मध्य दिल्ली के डीसीपी के मुताबिक, गंभीर ने औपचारिक रूप से एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध किया।

गंभीर ने पुलिस से उचित कदम उठाने को कहा

गंभीर ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों से उनके परिवार और करीबी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी आग्रह किया। खतरे की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस गहनता से इस मामले की जांच करेगी और गंभीर और उनके प्रियजनों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाएगी।

22 अप्रैल को गंभीर को दो धमकी भले ईमेल मिले

रिपोर्ट के मुताबिक, 22 अप्रैल को गंभीर को दो धमकी भरे ईमेल मिले। एक ईमेल दोपहर में आया और दूसरा शाम को आया। दोनों में श्आई किल यूश (ष् ज्ञपसस न्) संदेश लिखा था। यह पहली बार नहीं है जब गंभीर को इस तरह की धमकियों का सामना करना पड़ा है। नवंबर 2021 में सांसद के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भी उन्हें इसी तरह का एक ईमेल मिला था।

गंभीर ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की थी

गंभीर ने मंगलवार को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की। पहलगाम में मंगलवार को बायसरन घाटी में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर की गई गोलीबारी में 26 नागरिकों की मौत हो गई थी, जिसमें दो विदेशी नागरिक भी हैं। यह 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के बाद से सबसे भयानक घटनाओं में से एक बन गया। पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) के छद्म संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। गंभीर ने एक्स पर लिखा था, श्मृतकों के परिवारों के लिए प्रार्थना। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत स्ट्राइक करेगा।

कई और क्रिकेटर्स ने भी आतंकी हमले की निंदा की थी

गंभीर के अलावा कई और क्रिकेटरों ने भी पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की थी। इनमें सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव जैसे क्रिकेटर शामिल हैं। भारत के पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने पाकिस्तान के साथ खेल संबंध पूरी तरह समाप्त करने की मांग की। वहीं, तेंदुलकर ने लिखा, श्पीड़ित परिवार अकल्पनीय कष्ट से गुजर रहे होंगे। भारत और दुनिया भर में लोग इस कठिन समय में उनके साथ हैं। हम इस हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देते हैं और न्याय की प्रार्थन करते हैं। विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा, श्पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना। जिन परिवार के लोगों ने इस कायरतापूर्ण हमले में अपनी जान गंवाई है, उनके लिए प्रार्थना करता हूं और परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति मिले ऐसी प्रार्थना करता हूं।

'पंत वही करने की कोशिश कर रहे जो धोनी करते हैं...', चेतेश्वर पुजारा ने LSG के कप्तान पर साधा निशाना

नई दिल्ली। अनुभवी भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) की हार के बाद ऋषभ पंत के खुद को डिमोट करने के फैसले की आलोचना की है। पंत खुद सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए और पारी की अंतिम गेंद पर मुकेश कुमार ने उन्हें बोल्ड किया। वह दो गेंद खेले और खाता नहीं खोल सके। पुजारा का मानना है कि पंत को बीच के ओवरों में बल्लेबाजी करनी चाहिए, खासकर तब जब उनकी टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। पुजारा ने यह भी सुझाव दिया कि पंत फिनिशर नहीं हैं और उन्हें एमएस धोनी के रास्ते पर जाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

पुजारा ने पंत को लेकर क्या कहा?

उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइन्फो को बताया, मैं सच में नहीं जानता कि इसके बारे में सोचने की प्रक्रिया क्या थी, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि पंत को ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करनी चाहिए। वह वही करने की कोशिश कर रहे हैं जो एमएस धोनी करते हैं। हालांकि, वह उस स्तर के करीब भी नहीं हैं। मुझे अभी भी लगता है कि पंत ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें बीच के ओवरों में बल्लेबाजी करनी चाहिए। छठे से 15वें ओवर के बीच उन्हें मैदान पर आना चाहिए। वह फिनिशर नहीं हैं और उन्हें फिनिशर का किरदार नहीं निभाना चाहिए।

पंत ने निचले क्रम में आने की वजह बताई

मैच के बाद पंत ने खुद को बल्लेबाजी क्रम में नीचे रखने के पीछे के कारण का खुलासा किया था। उन्होंने कहा, हमारा विचार मौके को भुनाने का था। हमने समद को इस तरह की परिस्थिति का सही इस्तेमाल करने के लिए भेजा था। इसके बाद मिलर आए और हम वास्तव में विकेट में फंस गए। ये ऐसी चीजें हैं जिन्हें हमें समझना होगा और आगे बढ़ने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ संयोजन खोजने की कोशिश करनी होगी। पंत अब तक सिर्फ

106 रन ही बना सके: पंत ने कहा, हमें पता था कि हमने 20 रन कम बनाए। लखनऊ में टॉस ने बड़ी भूमिका निभाती है। जो भी पहले गेंदबाजी कर रहा होता है उसे विकेट से काफी मदद मिलती है। हमें बस वहीं रुकना था और टिक कर बल्लेबाजी करनी थी, लेकिन हम ऐसा नहीं कर सके। पंत को एलएसजी ने मेगा नीलामी में रिकॉर्ड तोड़ 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने अब तक आठ पारियों में 63 के उच्चतम स्कोर के साथ 106 रन बनाए हैं।

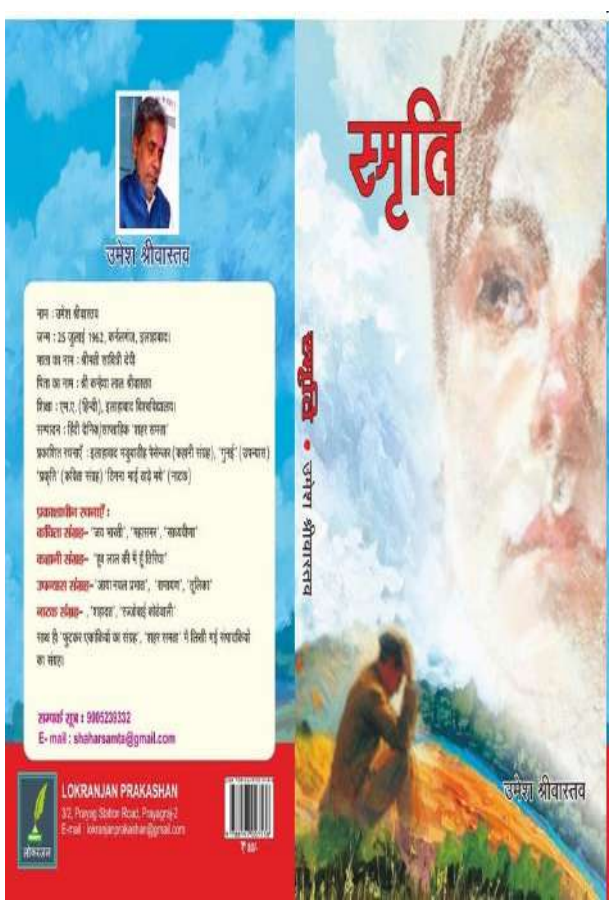

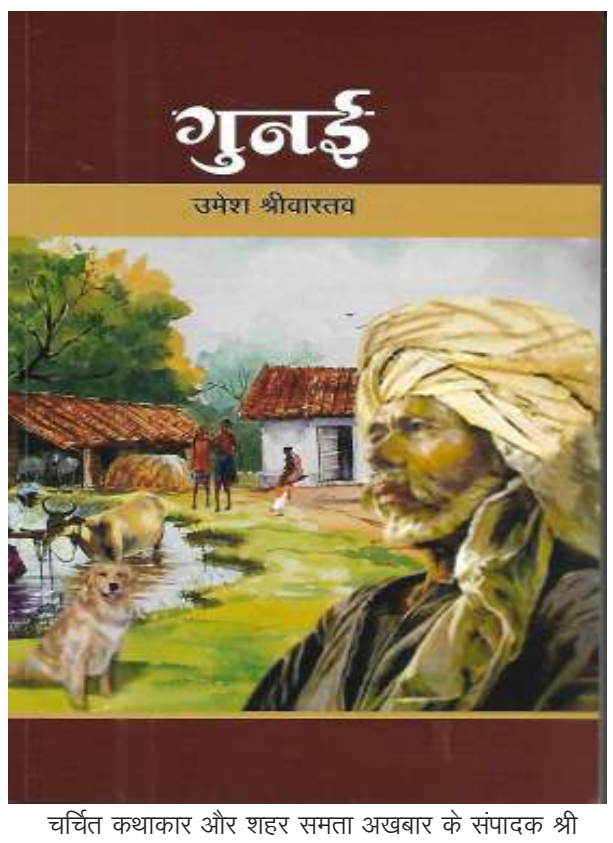

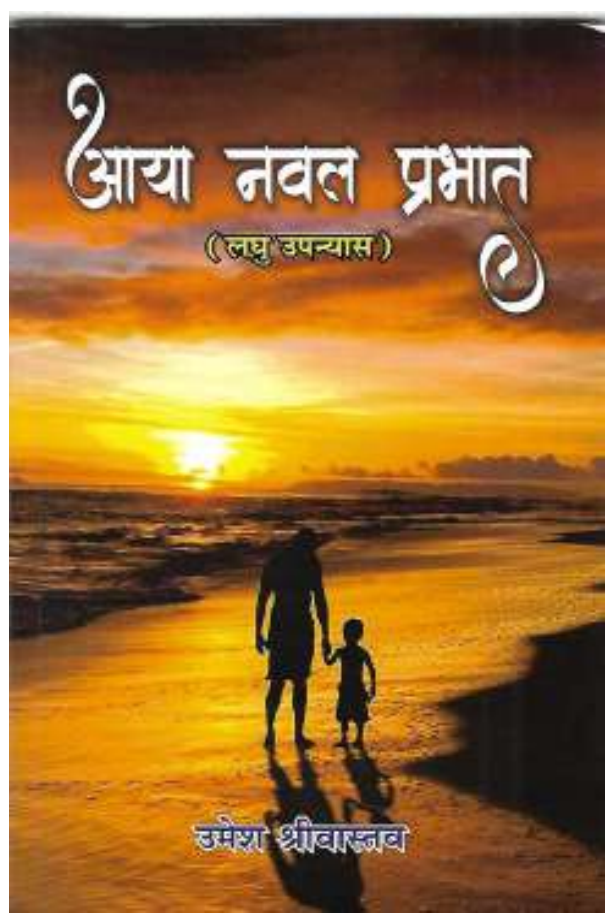

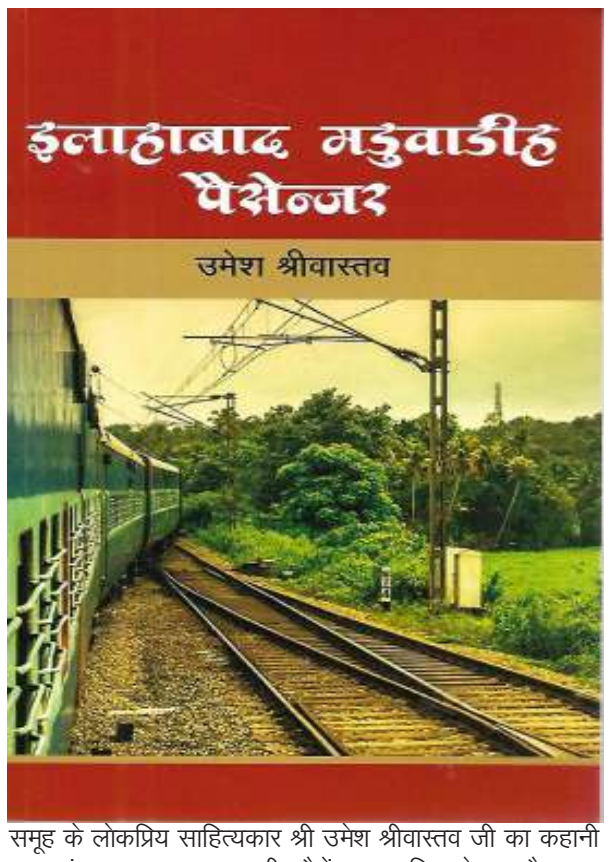

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

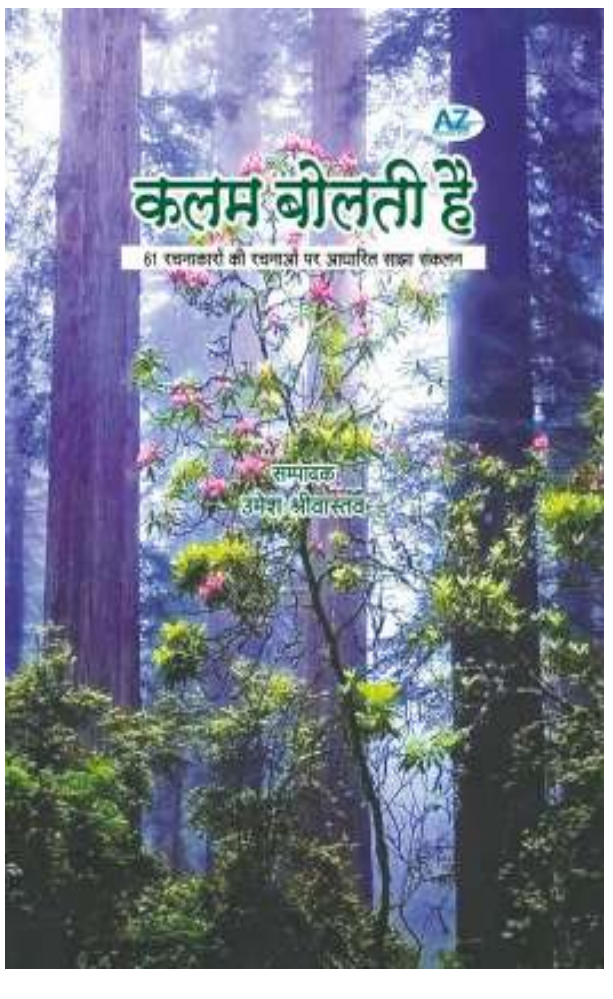

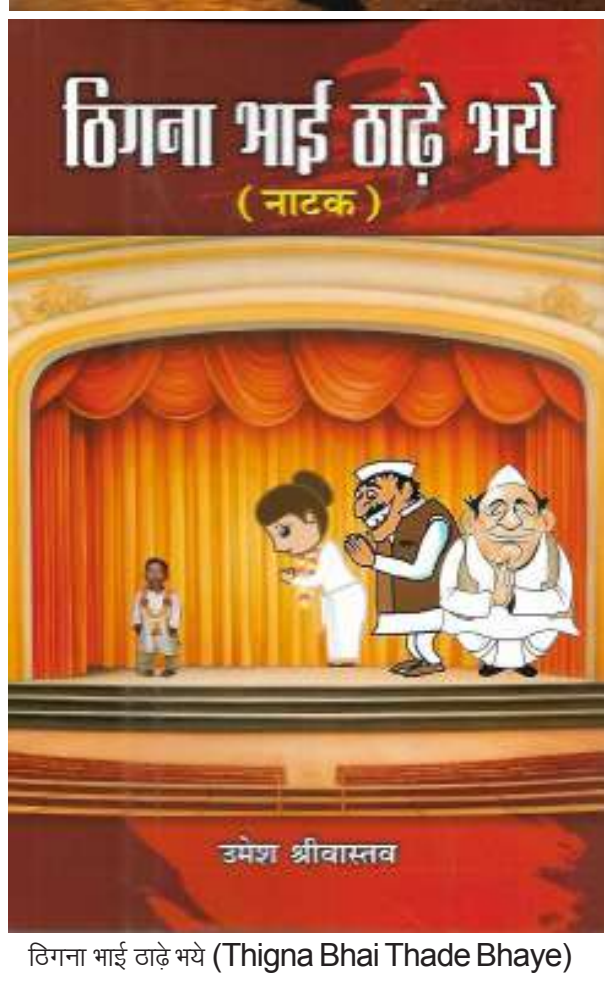

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पाकिस्तान से इस्राइल जैसा बदला ले भारत; पेंटागन के पूर्व अधिकारी बोले- अब कोई रास्ता नहीं

वाशिंगटन। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में गुस्सा है। सभी पहलगाम के बायसरन में हुए आतंकी हमले की निंदा कर रहे हैं। इस बीच, पेंटागन के पूर्व अधिकारी ने इस हमले को लेकर सीधे तौर पर पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर के उस भाषण को जिम्मेदार ठहराया है जिसमें उन्होंने कहा था श्कश्मीर पर हमारा रुख एकदम साफ है, यह हमारी गर्दन की नस थी, यह हमारी गर्दन की नस रहेगी। हम इसे नहीं भूलेंगे। हम अपने कश्मीरी भाइयों को उनके संघर्ष में नहीं छोड़ेंगे। पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने कहा कि इस हमले के बाद साफ है कि भारत को पाकिस्तान की गर्दन काटने की ज़रूरत है। इसमें कोई शक या संदेह नहीं होना चाहिए। पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने कहा कि हम जानते हैं कि पाकिस्तान कई आतंकवादी समूहों का घर है, जिसमें लश्कर–ए–तैयबा भी शामिल है। दुर्भाग्य से, पाकिस्तानी राजनयिकों द्वारा पश्चिम को मूर्ख बनाने के कारण आतंकवाद विरोधी कार्रवाई की कमी के कारण, अब हमारे पास न केवल पाकिस्तान में बल्कि बांग्लादेश में भी ऐसी ही समस्या का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में खुफिया जानकारी सामने आएगी। मुझे यकीन है कि कुछ संकेत मिलेंगे। वैचारिक दलदल के आधार पर कहा जा सकता है कि यह पाकिस्तान की आईएसआई है, तथा वे ही तार्किक और वैचारिक रूप से एकमात्र देश हैं जो इस समय संदिग्ध हैं।

इस्राइल पर सात अक्तूबर के हमले जैसा ही पहलगाम हमला

उन्होंने आगे कहा कि यह वैसा ही है जैस 7 अक्तूबर 2023 को हमास ने इस्राइल पर हमला किया था। वह हमला खास तौर पर यहूदियों के खिलाफ था और सिर्फ यहूदियों के खिलाफ ही नहीं, बल्कि उन सबसे उदार यहूदियों के खिलाफ था जो गाजा पट्टी के साथ शांति और सामान्य स्थिति चाहते थे। अब छुट्टी मनाने वाले रिसॉर्ट पर मध्यम वर्ग के हिंदुओं को निशाना बनाने से साफ है कि पाकिस्तानी अब वही रणनीति अपना रहे हैं। ऐसे में अब भारत का कर्तव्य है कि वह पाकिस्तान और पाकिस्तान की प्प के साथ वैसा ही करे जैसा इस्राइल ने हमास के साथ किया था। अब समय आ गया है कि प्प के नेतृत्व को खत्म कर दिया जाए और उन्हें एक नामित आतंकवादी समूह के रूप में माना जाए और मांग की जाए कि भारत का सहयोगी हर देश, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का सहयोगी हर देश ऐसा ही करे।

संक्षिप्त

ट्रंप की शुल्क नीति के खिलाफ 12 अमेरिकी राज्यों ने अदालत का रुख किया

अमेरिका के 12 राज्यों ने देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन की शुल्क नीति को अवैध बताते हुए इसके खिलाफ यहां 'यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड' में बुधवार को मुकदमा दायर किया। मुकदमे में कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप की इस नीति ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अराजकता पैदा कर

दी है। मुकदमे में ट्रंप की इस दलील को चुनौती दी गई है कि वह अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत मनमाने ढंग से शुल्क लगा सकते हैं। राज्यों ने अदालत से इस नीति को अवैध घोषित करने और इसे लागू करने से सरकारी एजेंसियों एवं उनके अधिकारियों को रोकने का अनुरोध किया है। अदालत में मुकदमा दायर करने वाले राज्यों में ओरेगन, एरिजोना, कोलोराडो, कनेक्टिकट, डेलावेयर, इलिनोइस, मेन, मिनेसोटा, नेवादा, न्यू मेक्सिको, न्यूयॉर्क और वर्मोंट शामिल हैं। एरिजोना की अटॉर्नी जनरल क्रिस मेयस ने इस नीति को ''पागलपन'' करार देते हुए कहा कि यह न केवल आर्थिक रूप से नुकसानदेह है, बल्कि अवैध भी है। इससे पहले, कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने भी ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया था जिसमें उन्होंने कहा कि इस शुल्क नीति से राज्य को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है।

लंदन में मीटिंग करने वाले थे जेलेंस्की, आखिरी घड़ी में टल गयी बैठक

लंदन में होने वाले यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन को अचानक स्थगित कर दिया गया, क्योंकि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो सहित कई शीर्ष राजनयिकों ने वार्ता से हाथ खींच लिए, जिससे युद्ध के अंतिम चरण पर पश्चिमी एकता के बारे में नए सवाल उठने लगे। रुबियो द्वारा अंतिम समय में कार्यक्रम रद्द करने की घोषणा कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले की गई के बाद फ्रांस और जर्मनी के विदेश मंत्रियों ने भी इसी तरह के फैसले लिए, जिससे शिखर सम्मेलन को निचले स्तर के अधिकारियों के साथ आगे बढ़ाना पड़ा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने स्पष्ट किया कि यह बदलाव पूरी तरह से तार्किक था, उन्होंने मंगलवार को पुष्टि की कि हालांकि शुरू में यात्रा करने का कार्यक्रम था, लेकिन रुबियो अपने ब्रिटिश समकक्ष से बात करने के बाद आने वाले महीनों में अपनी यूके यात्रा को पुनर्निर्धारित करेंगे। रुबियो ने एक्स पर लिखा, मैं लंदन में चल रही चर्चाओं के बाद आगामी महीनों में ब्रिटेन की अपनी यात्रा को पुनर्निर्धारित करने के लिए उत्सुक हूं। रुबियो के अचानक पीछे हटने से वार्ता की दिशा को लेकर संदेह पैदा हो गया। यह तब हुआ जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेन्स्की ने किसी भी संभावित शांति समझौते के हिस्से के रूप में रूस को अपने देश का कोई भी इलाका सौंपने से इनकार कर दिया और इसे एक बेकार की बात कहा। यूक्रेनी नेता ने मंगलवार को उन खबरों के जवाब में यह बात कही, जिनमें कहा गया था कि ट्रंप प्रशासन एक ऐसे सौदे का प्रस्ताव पेश करने जा रहा है, जो रूस को संभावित शांति समझौते के हिस्से के रूप में, कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्र को अपने पास रखने की अनुमति देगा। वार्ताकार तो 30 दिन का सीमित युद्धविराम भी सुनिश्चित नहीं कर पाये क्योंकि दोनों पक्ष 1,000 किलोमीटर लंबी अग्रिम सीमा पर एक–दूसरे पर लगातार आक्रमण कर रहे हैं। क्षेत्रीय प्रमुख सेरही ल्यासक ने अपने टेलीग्राम चौनल पर लिखा कि बुधवार सुबह पूर्वी यूक्रेन में दिनप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र के मार्गनेत्स में एक रूसी ड्रोन ने श्रमिकों को ले जा रही बस पर हमला किया, जिसमें सात महिलाओं और दो पुरुषों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस हमले में 40 से अधिक लोग घायल भी हो गए।

भारत के एक्शन से घबराया पाकिस्तान, कराची में करने जा रहा है सरफेस टू सरफेस मिसाइल टेस्ट

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से पाकिस्तान पर पांच बड़े डिप्लोमैटिक एक्शन लिए गए हैं। इसको देखते ही आज जैसे ही कराची स्टॉक एक्सचेंज ओपन हुआ तो वो धड़ाम से नीचे जा गिरा। इसके साथ ही पाकिस्तान चाहता है कि ये पूरा मामला है उसे भुनाया जाए और उसने सर्फेस टू सर्फेस मिसाइल का एनाउसमेंट कर दिया। इस्लामाबाद ने एक अधिसूचना जारी की है जिसमें कहा गया है कि वह अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतर कराची तट पर सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण करेगा, समाचार एजेंसी एएनआई ने रक्षा सूत्रों के हवाले से बताया। सूत्रों ने बताया कि भारतीय एजेंसियां घ्घ्इस घटनाक्रम पर कड़ी नज़र रख रही हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब भारत की सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (ब्बै) ने बुधवार को जम्मू–कश्मीर में हुए ताजा आतंकी हमले से इस्लामाबाद के संबंधों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए। ब्बै ने महत्वपूर्ण निर्णय लिए, जिसमें 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखना शामिल है, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

ईरान को यूरेनियम संवर्धन छोड़ना ही होगा, तभी समझौता संभव, अमेरिका के विदेश मंत्री का बड़ा बयान

वॉशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि अमेरिका और ईरान में कोई भी समझौता तभी होगा, जब ईरान यूरेनियम संवर्धन बंद करेगा। बुधवार को जारी हुए एक इंटरव्यू में मार्को रूबियो ने ये बात कही। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। एक तरफ अमेरिका के विदेश मंत्री ईरान के यूरेनियम संवर्धन के काम का पूरी तरह से बंद करने की मांग कर रहे हैं, वहीं ईरान का कहना है कि उन्हें अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए यूरेनियम संवर्धन की जरूरत है और वे इससे परमाणु हथियार नहीं बनाना चाहते।

यूरेनियम संवर्धन पर फंसी बात

मार्को रूबियो ने कहा कि अगर ईरान नागरिक परमाणु समझौता चाहता है तो ये हो सकता है, लेकिन उसके लिए उन्हें संवर्धित यूरेनियम आयात करना पड़ेगा। ओबामा के कार्यकाल में हुए अमेरिका–ईरान परमाणु समझौते को अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप प्रशासन ने तोड़ दिया था। ट्रंप का तर्क था कि ईरान परमाणु बम बनाने के लिए यूरेनियम संवर्धित कर रहा है। हालांकि ईरान ने इन आरोपों को खारिज किया था।

परमाणु समझौते पर सहमति बनने में लग सकता है लंबा वक्त

अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर शनिवार को दूसरे दौर की बातचीत हुई और इस सप्ताहांत तकनीकी स्तर की बातचीत होने की उम्मीद है। समझौते में ईरान की कोशिश है कि उसे प्रतिबंधों में ढील दी जाए, ताकि प्रतिबंधों से उसकी अर्थव्यवस्था को हो रहे नुकसान को रोका जा सके। मार्को रूबियो ने कहा कि अभी परमाणु समझौते में लंबा समय लग सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि ट्रंप, ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन इस समय मध्य पूर्व में कोई भी सैन्य कार्रवाई बड़े संघर्ष में तब्दील हो सकती है। इसलिए उनकी कोशिश है कि शांतिपूर्वक चीजें रहें।

जनता के लिए खुला सेंट पीटर्स बेसिलिका, अंतिम झलक के लिए उमड़े हजारों लोग, रोम में एकत्रित हुए कार्डिनल्स

पोप फ्रांसिस का निधन स्थानीय समयानुसार 21 अप्रैल को ईस्टर सोमवार को सुबह 7:35 बजे वेटिकन के कासा सांता मार्टा स्थित उनके निवास पर हुआ। पोप फ्रांसिस के निधन की पुष्टि होली सी प्रेस कार्यालय ने की है। 88 वर्षीय पोप ने 12 साल से कुछ ज़्यादा समय तक कैथोलिक चर्च का नेतृत्व किया। पोप के निधन के बाद पोप के चौपल को पूरी तरह सील कर दिया गया था। सेंट पीटर्स बेसिलिका संक्षिप्त बंद रहने के बाद पुनः खुला, हजारों लोग पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। वेटिकन ने गुरुवार की सुबह घोषणा की कि सेंट पीटर बेसिलिका ने स्थानीय समयानुसार सुबह 5रू30 बजे से 7रू00 बजे के बीच अपने दरवाज़े कुछ समय के लिए बंद कर दिए थे, उसके बाद पोप फ्रांसिस के पार्थिव शरीर के सार्वजनिक दर्शन के लिए फिर से खोला गया। सुबह दिवंगत पोप के पार्थिव शरीर को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए रखे जाने के बाद से बेसिलिका में तीर्थयात्रियों, पादरी और गणमान्य व्यक्तियों का लगातार आना–जाना लगा हुआ है। वेटिकन के अधिकारियों ने शनिवार के अंतिम संस्कार से पहले ज़्यादा से ज़्यादा आगंतुकों को पवित्र पिता को विदाई देने की अनुमति देने के लिए अतिरिक्त समय बनाए रखा है। सेंट पीटर स्क्वायर के चारों ओर लंबी कतारें लगना जारी है। दुनिया भर से शोक मनाने वाले लोग सेंट पीटर के 266वें उत्तराधिकारी को अंतिम श्रद्धांजलि देने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिन्होंने 12 साल से ज़्यादा समय तक चर्च का नेतृत्व किया।

रोम में एकत्रित हुए कार्डिनल्स

कार्डिनल्स कॉलेज ने बुधवार की आम सभा में उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि देखी, जिसमें 103 कार्डिनल अब रोम में मौजूद हैं – मंगलवार की प्रारंभिक सभा में भाग लेने वाले लगभग 60 से लगभग दोगुना। कार्डिनल्स ने नोवेन्डियालेस मास के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने से पहले पोप फ्रांसिस के लिए प्रार्थना की शुरुआत की, जिसे कार्डिनल जियोवानी बैटिस्टा रे की अध्यक्षता में शनिवार की अंतिम संस्कार पूजा के बाद आठ अलग–अलग कार्डिनल द्वारा मनाया जाएगा। सेंट पीटर बेसिलिका में श्रद्धालुओं की भीड़ अपने सम्मान का भुगतान करना जारी रखती है।

राजधानी कीव पर रूसी हमले में नौ की मौत, दक्षिण अफ्रीकी दौरा बीच में छोड़कर यूक्रेन लौटे जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की गुरुवार को अपना दक्षिण अफ्रीकी दौरा बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट आए। रूस द्वारा राजधानी कीव पर किए गए हमले के चलते जेलेंस्की ने दौरे के बीच से ही वापस लौटने का फैसला किया। रूस के राजधानी कीव पर हमले में नौ लोगों की मौत हुई है और 70 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इससे पहले राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक टेलीग्राम पोस्ट में लिखा था कि राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा से मुलाकात के बाद वे वापस लौट जाएंगे। युद्धविराम के लिए दक्षिण अफ्रीका का समर्थन जुटाने के उद्देश्य से यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यह दौरा किया। रूस का कीव पर यह हमला ऐसे वक्त हुआ है, जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम समझौता अटक गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की पर क्रीमिया के मुद्दे पर युद्धविराम बातचीत को लंबा खींचने का आरोप लगाया। ट्रंप ने ये भी कहा कि युद्धविराम समझौते को लेकर रूस से बातचीत से ज्यादा जेलेंस्की से बात करना ज्यादा मुश्किल है। गौरतलब है कि जेलेंस्की क्रीमिया पर रूस का कब्जा मानने के तैयार नहीं हैं। कीव के मिलिट्री प्रशासन ने बताया कि रूस ने ड्रोन्स और बैलिस्टिक मिसाइलों से कीव पर हमला किया। 45 ड्रोन्स का पता चला है। हालांकि सही आंकड़ा बाद में अपडेट किया जाएगा। हमले में घायल 42 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मलबे के अंदर भी लोगों की तलाश की जा रही है। हमले में कीव की एक रिहायशी इमारत पूरी तरह से तबाह हो गई है। फिलहाल मलबा हटाने की कोशिश हो रही है। कई अन्य रिहायशी इमारतों में हमले के चलते आग लग गई।

अमेरिका के न्यू जर्सी में तेजी से फैल रही जंगल की आग

न्यू जर्सी के पाइन बैरेंस में जंगल की आग तेजी से फैल गई है, हालांकि अधिकारियों ने पहले दिए गए क्षेत्र खाली करने के आदेश को वापस ले लिया और आग के कारण बंद किए गए प्रमुख राजमार्ग के एक हिस्से को फिर से खोल दिया गया। इससे पहले, 'न्यू जर्सी फॉरेस्ट फायर सर्विस' ने बताया था कि 1,300 से अधिक इमारतों को ख़तरा है और लगभग तीन हजार लोगों को अन्यत्र भेजा

गया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि क्षेत्र खाली करने के आदेश निरस्त कर दिए गए हैं। बार्नेगेट पुलिस विभाग के अनुसार, दो स्कूलों में आश्रय स्थल बनाए गए हैं। न्यू जर्सी के सबसे व्यस्त राजमार्गों में से एक गार्डन स्टेट पार्कवे को बुधवार सुबह फिर से खोल दिया गया। अधिकारियों ने राज्य के दक्षिणी भाग में लगभग 12 किलोमीटर लंबा हिस्सा बंद कर दिया था। पाइन बैरेंस में जंगल की आग एक सामान्य घटना है यहां 445,000 हेक्टेयर का राज्य और संघीय संरक्षित वन क्षेत्र है। न्यू जर्सी के सबसे व्यस्त राजमार्गों में से एक गार्डन स्टेट पार्कवे को मंगलवार रात बार्नेगेट और लेसी टाउनशिप के बीच बंद कर दिया गया था। ओशन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बुधवार सुबह पोस्ट किया कि इसे फिर से खोल दिया गया है। 'जर्सी सेंट्रल पावर एंड लाइट कंपनी' ने मंगलवार शाम 'फॉरेस्ट फायर सर्विस' के अनुरोध पर लगभग 25 हजार उपभोक्ताओं की बिजली काट दी, जिसमें बार्नेगेट टाउनशिप के हज़ारों उपभोक्ता भी शामिल हैं। कंपनी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि बुधवार से पहले बिजली बहाल होने की उम्मीद नहीं है।

क्रीमिया पर जोर देकर जेलेंस्की युद्ध को लंबा खींच रहे : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की पर निशाना साधते हुए कहा कि क्रीमिया के मुद्दे पर जोर देकर वह युद्ध को लंबा खींच रहे हैं। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब जेलेंस्की ने संभावित शांति योजना के तहत क्रीमिया को रूस को सौंपने से इंकार कर दिया। जेलेंस्की ने लंदन में बुधवार को अमेरिका, यूरोपीय और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच होने वाली उच्च स्तरीय वार्ता से पहले किसी भी समझौते के तहत यूक्रेन द्वारा रूस को क्षेत्र सौंपे जाने के विचार को खारिज कर दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा, ''इस बारे में कोई बात नहीं होगी। यह हमारी भूमि है, यूक्रेनी लोगों की भूमि है।''

टेक्सास में महिला की गला घोंटकर हत्या करने पर युवक को मौत की सजा, 20 साल बाद पीड़िता को मिला न्याय

टेक्सास में महिला की गला घोंटने और चाकू मारकर हत्या करने वाले युवक को मौत की सजा दी गई। करीब 20 साल बाद पीड़िता को न्याय मिल सका। पीड़िता के रिश्तेदारों की मौजूदगी में अभियुक्त मोइसेस सैंडोवाल मेंडोजा को हंट्सविले के राज्य सुधार गृह में जानलेवा इंजेक्शन दिया गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।